कोटद्वार, गुरूवार
14 मार्च 2024
वर्षः 45
अंकः 309 पृष्ठः 8
मूल्यः 2.00
RNI-35469/79

जयन्त

निर्भीक – निष्पक्ष – जनसरोकार

www.dainikjayantnews.com

स्थापित 1979

संस्थापकः स्व. नरेन्द्र उनियाल

डाक पंजीयन पी.ए.ओ.07-2021-23 फोनः 9412081969 email: nagendra.uniyal@gmail.com

भाजपा की दूसरी सूची में हरिद्वार–गढ़वाल सीट पर प्रत्याशी घोषित

इन पर लगाया दांव

देहरादून। लोकसभा चुनाव के लिए बीजेपी ने बुधवार शाम को दूसरी लिस्ट जारी कर दी। बीजेपी हाईकमान ने गढ़वाल से अनिल बलूनी को टिकट दिया है। जबकि, हरिद्वार लोकसभा सीट से त्रिवेंद्र सिंह रावत को चुनावी मैदान में उतारा है। आपको बता दें कि बीजेपी की पहली लिस्ट में तीन संसदीय सीट में प्रत्याशिशें का के नामों का ऐलान किया गया था। तीनों सीटों में मौजूदों सांसदों पर ही बीजेपी हाईकमान ने भरोसा जताया था।

पहली लिस्ट में टिहरी से माला राज्य लक्ष्मी शाह, अल्मोड़ा से अजय टम्टा और नैनीताल सीट से अजय भट्ट को टिकट दी गई थी। टिकट मिलने के बाद पार्टी कार्यकर्ताओं में खुशी की लहर दौड़ गई थी। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से जुड़े थे। 1981 में उन्होंने संघ के प्रचारक के रूप में काम करने का संकल्प लिया। 1985 में त्रिवेंद्र सिंह रावत देहरादून महानगर के प्रचारक बने। इसके बाद 1993 में वे भाजपा के क्षेत्रीय संगठन मंत्री बने। इस दौरान वे पार्टी में अहम भूमिका में रहे। इसके बाद 1997 में त्रिवेंद्र सिंह रावत भाजपा प्रदेश संगठन महामंत्री बने। साल 2002 में वे दोबारा भाजपा प्रदेश संगठन महामंत्री बने।

2002 में उन्होंने डोईवाला विधानसभा से चुनाव लड़ा। उन्होंने विधानसभा चुनाव में डोईवाला सीट से जीत हासिल की थी। 2007 में डोईवाला विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र से उत्तराखंड विधान सभा के लिए भारतीय जनता पार्टी के उम्मीदवार के रूप में वे विजयी हुए। भारतीय जनता पार्टी के मंत्रिमंडल में कैबिनेट मंत्री बने। 2017 में डोईवाला विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र से उत्तराखंड विधान सभा के लिए भारतीय जनता पार्टी के उम्मीदवार के रूप में विजयी हुए। इसके बाद 17 मार्च 2017 को उन्हें उत्तराखंड के मुख्यमंत्री की कमान सौंपी गई थी। इसके बाद मार्च 2021 में उन्होंने सीएम पद से इस्तीफा दे दिया था।

वोटिंग के दौरान निर्बाध चलेगा इंटरनेट नेटवर्क

देहरादून। लोकसभा चुनाव में वोटिंग के दौरान इंटरनेट नेटवर्क निर्बाध रूप से चलता रहे, इसकी तैयारियां अभी की जा रही हैं। जिला निर्वाचन अधिकारी सोनिका ने इस संबंध में दूरसंचार कंपनियों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक की। उन्हें मतदान बूथों पर नेटवर्क की स्थिति जांचने के निर्देश दिए। कलक्ट्रेट सभागार में बुधवार को हुई बैठक में डीएम ने दूरसंचार कंपनियों के प्रतिनिधियों के साथ वेबकास्टिंग वाले बूथ की सूचना साझा की। कहा कि ऐसे बूथों पर इंटरनेट कनेक्टिविटी की जांच अभी कर ली जाए। साथ ही चुनाव के दिन यहां इंटरनेट निर्बाध रूप से काम करता रहे, इसकी व्यवस्था अभी से कर दी जाए। उन्होंने दूरसंचार कंपनियों को सैडोजोन में स्थित बूथों को चिन्हित करने और उन स्थानों पर कनेक्टिविटी बढ़ाने के निर्देश दिए हैं। बैठक में एडीएम रामजी शरण शर्मा, जयभारत सिंह, अपर मुख्य नगर आयुक्त बीर सिंह बुदियाल, बीएनएनएल के उप महाप्रबंधक प्रदीप कुमार शर्मा, रिलायंस के उप महाप्रबंधक अक्षय त्यागी, जियो रिलायंस के विशाल गंगवार, एयरटेल से आशीष कुमार समेत अन्य मौजूद रहे।

चारधाम के अलावा उत्तराखंड का नैसर्गिक सौंदर्य देश-दुनिया के लोगों का आकर्षण का केंद्र : मुख्यमंत्री

जयन्त प्रतिनिधि।देहरादून : मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी की अध्यक्षता में बुधवार को कैम्प कार्यालय सभागार में डेस्टिनेशन वेडिंग पर उत्तरी भारत के प्रमुख वेडिंग प्लानर्स के साथ वर्चुअल बैठक आयोजित हुई। बैठक में उत्तरी भारत के 75 से अधिक प्रमुख वेडिंग प्लानर्स ने प्रतिभाग किया, जिसमें से वैडिंग प्लानर-श्री सौरभ व सुश्री सीता ने अपने अनुभव साझा करते हुए बताया कि आज कल के युवाओं को वेडिंग के लिये नेचुरल व्यू चाहिए, जिसके लिये उत्तराखण्ड बेस्ट वेडिंग डेस्टिनेशन है तथा यहां का मौसम भी काफी अच्छा है। उन्होंने बताया कि वे अब तक 60 से अधिक शादियों की व्यवस्था कर चुके हैं। इसी प्रकार वेडिंग प्लानर शैलजा व आयुष ने बताया कि हम देवभूमि उत्तराखण्ड के ऋषिकेश, त्रियुगीनारायण, चकराता आदि में वेडिंग करा चुके हैं। उन्होंने कहा कि यहां का वातावरण, मौसम, प्रकृति की विविधता आदि को देखते हुए देवभूमि उत्तराखण्ड के प्रति लोगों का जबरदस्त आकर्षण है। सीजेवाई गुड़गांव से वेडिंग प्लानर सुश्री रेनू ने अपने अनुभव बताते हुये कहा कि हम अभी तक 200 से अधिक विवाह करा चुके हैं। इसी तरह अपने–अपने सुझाव बैठक में वेडिंग प्लानर्स ने साझा किये। मुख्यमंत्री ने बैठक में वर्चुवल रूप से जुड़े हुये देश के प्रमुख वेडिंग प्लानर्स का हार्दिक स्वागत व अभिनन्दन करते हुये कहा कि आप वेडिंग के क्षेत्र में पहले से जुड़े हुये हैं तथा आप लोगों ने काफी अच्छे-अच्छे सुझाव वेडिंग डेस्टिनेशन के सम्बन्ध में दिये हैं, जिन्हें जल्दी ही अमल में लाया जायेगा। मुख्यमत्री ने कहा कि उत्तराखंड में कई ऐसे धार्मिक और प्राकृतिक सुंदरता से परिपूर्ण स्थल है, जिन्हें फिल्मों की शूटिंग के साथ-साथ प्री-वेंडिंग शूट के लिए भी प्राथमिकता दी जा रही है। उन्होंने कहा कि चारधाम के अलावा उत्तराखंड का नैसर्गिक सौंदर्य हमेशा से देश-दुनिया के लोगों को आकर्षित करता रहा है तथा अब वेडिंग डेस्टिनेशन के रूप में भी प्रदेश खास पहचान बनाएगा।

पीएम मोदी ने तीन सेमीकंडक्टर परियोजनाओं का किया शिलान्यास किया

राष्ट्र को दिया 1.25 लाख करोड़ का तोहफा

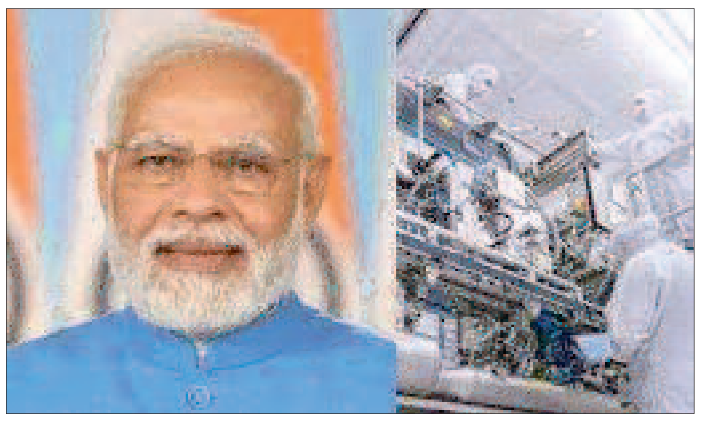

नईदिल्ली,प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को राष्ट्र को 1.25 लाख करोड़ रुपये की सेमीकंडक्टर परियोजनाओं की सौगात दी. इन परियोजनाओं के शिलान्यास के लिए पीएम मोदी गुजरात में आयोजित समारोह– इंडिया टेकएड में वर्चुअल तरीके से जुड़े. इस दौरान पीएम मोदी ने तीन सेमीकंडक्टर परियोजनाओं का शिलान्यास किया. इसके साथ ही उन्होंने उम्मीद जताई कि सेमीकंडक्टर के क्षेत्र में भारत पूरी दुनिया में सबसे बड़ी ताकत बनकर सामने आएगा. पीएम मोदी देश को 2047 तक विकसित राष्ट्र बनाने के लिए देशभर में इनदिनों तमाम विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास कर रहे हैं. बता दें कि मोदी सरकार देश में देश में सेमीकंडक्टर उत्पादन के लिए इको–सिस्टम मजबूत बनाने की कोशिश कर रही है. इसके लिए पहले इकाइयां स्थापित करने का प्रयास हो रहा है. इसके लिए पीएम मोदी ने 13 मार्च को इंडियाज टेकेड में 1.25 लाख करोड़ रुपये की लागत वाली तीन परियोजनाओं का शिलान्यास किया. इन सेमीकंडक्टर उद्योग पर फोकस करने की नीति से देश के हजारों युवाओं के लिए रोजगार के अवसर पैदा होंगे. इसके साथ ही इलेक्ट्रॉनिक्स और दूरसंचार जैसे क्षेत्रों में भी रोजगार पैदा होंगे. पीएम मोदी ने इस दौरान युवाओं को संबोधित किया. उन्होंने कहा कि आज का दिन ऐतिहासिक है, आज हम इतिहास भी रच रहे हैं और उज्जवल भविष्य की तरफ एक बहुत बड़ा मजबूत कदम भी उठा रहे हैं. आज सेमीकंडक्टर मैन्युफेक्चरिंग से जुड़े करीब सवा लाख करोड़ रुपये के तीन बड़े प्रोजेक्ट का शिलान्यास हुआ है. गुजरात के धौलेरा और सारण में सेमीकंडक्टर सुविधा हो, असम के मौरीगांव में सेमीकंडक्टर सुविधा हो. ये भारत को सेमीकंडक्टर मैन्युफेक्चरिंग का एक बड़ा ग्लोबल हब बनाने में मदद करेगी.

बंगलूरू कैफे ब्लास्ट मामले के संदिग्ध से मिलने वाले शख्स को किया गिरफ्तार

–एनआईए को बड़ी सफलता

बेंगलुरु, कर्नाटक की राजधानी बंगलूरू में रामेश्वरम कैफे में हुए धमाके के मामले में राष्ट्रीय जांच एजेंसी ने मुख्य संदिग्ध को हिरासत में लिया है। एनआईए के मुताबिक धमाके के अलग–अलग पहलुओं पर हो रही जांच के दौरान बेल्लारी में धमाके के मुख्य संदिग्ध को हिरासत में लिया। रिपोर्ट्स में कहा गया है कि एनआईए ने ब्लास्ट मामले में संदिग्ध की तस्वीर जारी की थी। इसके बाद इस केंद्रीय जांच एजेंसी ने अलग–अलग पहलुओं पर जांच कर रही है। जांच के दौरान सैयद शब्बीर नाम के संदिग्ध को कर्नाटक के बेल्लारी जिले से हिरासत में लिया गया। मिली बड़ी सफलता के मामले में आई रिपोर्ट्स के मुताबिक कर्नाटक पुलिस ने बताया है कि बंगलूरू कैफे ब्लास्ट मामले के संदिग्ध से मिलने वाले शख्स शब्बीर को गिरफ्तार किया गया है। रिपोर्ट के मुताबिक एनआईए ने सूत्रों के हवाले से बताया कि शब्बीर को भी इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस (आईईडी) विस्फोट मामले में एक प्रमुख संदिग्ध के रूप में देखा जा रहा है। ऐसा इसलिए क्योंकि उसने बेल्लारी में एक मार्च को धमाके के मुख्य संदिग्ध से मुलाकात की थी। शब्बीर ने बेल्लारी में कथित तौर पर उससे बातचीत की थी।

इससे पहले संदिग्ध को आखिरी बार विस्फोट के लगभग आठ घंटे बाद 1 मार्च को बेल्लारी बस स्टैंड पर देखा गया था। सार्वजनिक रूप से उपलब्ध एनआईए के रिकॉर्ड के मुताबिक विस्फोट के पांच दिन बाद एनआईए ने इस्लामिक स्टेट (आईएसआईएस) मॉड्यूल के चार लोगों को हिरासत में लिया। एनआई की जांच के बारे में सूत्रों ने बताया कि रामेश्वरम कैफे धमाके के संदिग्ध ने कैफे से लगभग 3 किमी दूर जाने के बाद अपनी पोशाक बदल ली। पहले से पहनी गई बेसबॉल टोपी और शर्ट बदलकर उसने एक कैजुअल टी–शर्ट पहन ली।

गौरतलब है कि धमाके के आठ दिन बाद रामेश्वरम कैफे नौ मार्च के दिन दोबारा खोला गया। रामेश्वरम कैफे के सह–संस्थापक राघवेंद्र राव ने बताया था कि हम भविष्य में ऐसी किसी भी घटना को रोकने के लिए कई कदम उठा रहे हैं। हम अपनी सुरक्षा टीम को मजबूत कर रहे हैं।

स्टेट बैंक ऑफ इंडिया ने सुप्रीम कोर्ट में दाखिल किया हलफनामा

नई दिल्ली, इलेक्टोरल बॉन्ड मामले में स्टेट बैंक ऑफ इंडिया ने आज सुप्रीम कोर्ट में चुनावी बॉन्ड पर हलफनामा दाखिल किया. इस हलफनामा में स्टेट बैंक ऑफ इंडिया ने बताया कि चुनाव आयोग को ब्योरा उपलब्ध कराया गया है. कोर्ट का आदेश का पूरा पालन किया गया है. बार एंड बेंच ने (पूर्व में ट्विटर) एक्स पर जानकारी दी. चुनाव आयोग इस पूरे आंकड़े को 15 मार्च तक अपलोड करेगा. चुनाव आयोग इलेक्टोरल बॉन्ड की खरीदी को भी सार्वजनिक करेगा, जो अब तक केवल सीलबंद लिफाफे में सुप्रीम कोर्ट में जमा किए गए थे. बता दें कि 11 मार्च को सुप्रीम कोर्ट ने बैंक को फटकार लगाई थी और 12 मार्च शाम तक यह डिटेल देने का निर्देश दिया था. इसी को देखते हुए स्टेट बैंक ऑफ इंडिया ने मंगलवार शाम को चुनाव आयोग को पूरा डेटा उपलब्ध करा दिया था.

स्टेट बैंक ऑफ इंडिया के सीएमडी दिनेश खारा ने सुप्रीम कोर्ट में कहा कि एसबीआई ने कोर्ट के आदेश का पूरा पालन किया है. इसमें इलेक्टोरल बॉन्ड की खरीद और बिक्री, इसके खरीदार के नाम समेत सभी संबंधित जानकारी को लेकर रिपोर्ट तैयार की है और इसे समय रहते आयोग को मुहैया करा दिया गया है. एसबीआई ने अपने हलफनामे में कहा है कि बैंक ने सीलबंद लिफाफे में एक पेनड्राइव और दो पीडीएफ फाइल के जरिए सामग्री सौंपी है. इसके पासवर्ड भी हैं. जिस इलेक्टोरल बॉन्ड का भुगतान किसी पार्टी को नहीं हो पाया है. उसकी रकम पीएम रिलीफ फंड में जमा कर दी गई है. इस हलफनामे में बैंक ने आंकड़ों के जरिए बताया है कि पहली अप्रैल 2019 के बाद से 15 फरवरी 2024 तक कुल 22, 217 इलेक्टोरल बॉन्ड बिके हैं. इनमें से 22, 030 भुना लिए गए हैं. इनमे से 187 का भुगतान नहीं किया गया है. ऐसे में इस रकम को पीएम रिलीफ फंड में जमा कर दिए गए हैं.

एक नजर

वाहन दुर्घटना में दो हुए घायल

नई टिहरी।नगर की डाक बंगला रोड के ध्वस्त पुश्ते से रेलवे कंपनी का वाहन असंतुलित होकर राजमार्ग पर जा गिरा। इस दुर्घटना में दो लोग घायल हुए हैं। गम्भीर घायल एक व्यक्ति को डॉक्टरों ने एम्स ऋषिकेश के लिए रेफर किया है। बीते दिवस की देर शाम नगर के वार्ड एक स्थित डाक बंगला रोड से रेलवे निर्माण कंपनी नवयुगा का वाहन असंतुलित होकर राजमार्ग पर जा गिरा। करीब बीस मीटर नीचे गिरने से इसमें सवार अनिकेत वर्मा पुत्र गंगाराम ग्राम रमोही निवासी तहसील अन्नी जिला कुल्लू (हिमाचल प्रदेश) व श्रीदेव सुमन पुत्र विजय प्रकाश निवासी चाका नरेंद्रनगर घायल हो गए। सूचना पर पहुंची पुलिस ने दोनों को सीएचसी बागी पहुंचाया। जहां श्रीदेव सुमन के सिर में गहरी चोट लगने के चलते डाक्टरों ने उसे एम्स रेफर कर दिया। एसएसआई अनिरुद्ध मैठाणी ने बताया कि रेलवे का यह वाहन रात की शिफ्ट के कर्मचारियों को लेने जा रहा था। वार्ड निवासियों के अनुसार लोनिवि के अधीन वीआईपी आवाजाही वाली डाक बंगला रोड लम्बे समय से कई जगह ध्वस्त है। वाहन गिरने से यहां पेट्रोल पंप क्षेत्र की पेयजल लाइन भी टूटी है।

रक्षा मंत्री ने एनसीसी कैडेट कोर विस्तार के प्रस्ताव को दी मंजूरी

नई दिल्ली,रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने राष्ट्रीय कैडेट कोर का विस्तार करने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। वहीं, देश भर के शैक्षणिक संस्थानों में इसकी बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए तीन लाख कैडेट वैकेंसी को शामिल किया गया है।

रक्षा मंत्रालय ने बुधवार को एक बयान में कहा कि 1948 में केवल 20,000 कैडेटों की शुरूआत के बाद एनसीसी के पास अब 20 लाख कैडेटों की स्वीकृत संख्या होगी, जिससे यह दुनिया का सबसे बड़ा वर्दीधारी युवा संगठन बन जाएगा।

33 साल बाद बाद चुनावी राजनीति से बाहर हुए रमेश पोखरियाल निशंक

देहरादून। भारतीय जनता पार्टी–बीजेपी ने दो पूर्व मुख्यमंत्रियों के टिकट काटकर बड़ा झटका दे दिया है। हरिद्वार से डॉ रमेश पोखरियाल निशंक जबकि गढ़वाल से तीरथ सिंह रावत का टिकट काटा गया है। विदित है कि डॉ रमेश पोखरियाल निशंक पिछले 33 सालों से लगातार चुनावी राजनीति में सक्रिय थे।

लेकिन दो बार हरिद्वार का सांसद रहने के बाद इस बार निशंक का टिकट काटा गया है। निशंक दो बार सांसद रहने के अलावा राज्य के मुख्यमंत्री, केंद्रीय मंत्री और विधायक भी रह चुके हैं। लेकिन इस बार पार्टी ने उन्हें टिकट देने की बजाए हरिद्वार से नए चेहरे को मौका दिया है। निशंक का राजनैतिक कैरियर 1991 में कर्णप्रयाग से विधायक का चुनाव जीतकर हुआ था। लेकिन हरिद्वार से टिकट कटने से फिलहाल उस पर ब्रेक लग गया है।

दो दिग्गजों की जंग में उलझे तीरथ

पूर्व मुख्यमंत्री तीरथ सिंह रावत इस बार गढवाल में भाजपा के दो दिग्गजों के बीच उलझकर रह गए। गढ़वाल सीट पर उनके साथ ही पूर्व मुख्यमंत्री त्रिवेंद्र रावत और राष्ट्रीय मीडिया प्रमुख अनिल बलूनी भी दावेदारी कर रहे थे। केंद्र में इन दोनों ही नेताओं की मजबूत पैरवी की वजह से तीरथ पिछड़ गए और आखिरकार उनका टिकट कट गया।

बयानों की वजह से विवादों में आए थे तीरथ

तीरथ सिंह रावत को भाजपा ने 2021 में उत्तराखंड का मुख्यमंत्री भी बनाया था। लेकिन इस दौरान वह अपने बयानों की वजह से विवादों में आ गए। इस वजह से केवल छह महीने के कार्यकाल के बाद ही पार्टी को उन्हें पद से हटाना पड़ा था। तभी से तीरथ का टिकट काटे जाने की चर्चाएं चल रही थी। जिस पर अब पार्टी हाई कमान ने मुहर लगा दी है।

बदलाव की वजह से अटकी थी सीट

भाजपा ने राज्य की तीन लोकसभा सीटों पर पहले ही प्रत्याशियों का ऐलान कर दिया था। लेकिन गढ़वाल और हरिद्वार सीट को होल्ड पर रख दिया गया था। माना जा रहा था कि पार्टी ने इन दोनों ही सीटों को बदलाव के लिए रोका है और अब नए प्रत्याशी घोषित कर इस पर मुहर लग गई है। पार्टी ने इन दोनों सीटों पर पार्लियामेंट्री बोर्ड की पिछली बैठक में चर्चा की थी।

माफिया मुख्तार अंसारी को आजीवन कारावास

वाराणसी,माफिया मुख्तार अंसारी को बड़ा झटका लगा है. वाराणसी की एमपी–एमएलए कोर्ट ने मुख्तार अंसारी को फर्जी शस्त्र लाइसेंस मामले में आजीवन कारावास की सजा सुनाई है, साथ ही दो लाख रुपये का जुर्माना भी लगाया है. मुख्तार अंसारी पर डीएम और एसपी के फर्जी हस्ताक्षर कर लाइसेंस लेने का आरोप था. मुख्तार अंसारी को अब तक कुल सात मुकदमे में सजा हो चुकी है. 36 साल पहले फर्जी शस्त्र लाइसेंस मामले में मोहम्मदाबाद थाने में मामला दर्ज किया गया था. बता दें कि यह मामला करीब 36 साल पुराना है, जब माफिया मुख्तार अंसारी की ओर से 10 जून 1987 को बंदूक का लाइसेंस लेने के लिए गाजीपुर डीएम को अप्लीकेशन दी गई थी. इसमें जिलाधिकारी और एसपी के फर्जी हस्ताक्षर कर लाइसेंस लेने का आरोप लगा था. मामले की जानकारी होने के बाद पुलिस ने 5 लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया था.

कांग्रेस विधायक अंबा प्रसाद के ठिकाने पर दूसरे दिन भी ईडी की रेड

रांची,हजारीबाग जिले के बडक़ागांव क्षेत्र की कांग्रेस विधायक अंबा प्रसाद के ठिकाने पर ईडी ने लगातार दूसरे दिन छापामारी की है। मंगलवार सुबह से विधायक, उनके रिश्तेदारों और करीबियों के ठिकानों पर शुरू हुई छापेमारी में मनी लॉन्ड्रिंग से संबंधित कई दस्तावेज बरामद किए गए हैं। इधर, विधायक ने आरोप लगाया है कि उन्हें राजनीतिक वजहों से टारगेट किया जा रहा है। मंगलवार को ईडी की टीमों ने रात करीब एक बजे तक तलाशी जारी रखी। एक अंचलाधिकारी शशिभूषण के रांची स्थित आवास से करीब सात लाख रुपए और अन्य के ठिकानों से 13 लाख रुपए बरामद किए जाने की सूचना है। बुधवार सुबह एजेंसी की टीम एक बार फिर विधायक के हजारीबाग स्थित आवास पर पहुंची। एजेंसी ने सरकारी जमीन पर कब्जा, रंगदारी और अवैध बालू कारोबार को लेकर अलग–अलग थाना क्षेत्रों में दर्ज मामलों को आधार बनाते हुए जांच शुरू की है। मंगलवार को अंबा प्रसाद, उनके पिता पूर्व मंत्री योगेंद्र साव, अंबा के भाई अंकित राज, बहन अनुप्रिया और अन्य रिश्तेदारों के नाम पर बनी 10 कंपनियों के दस्तावेज खंगाले गए। अंबा के पिता योगेंद्र साव के मुंबई में बांद्रा स्थित फ्लैट पर भी दबिश दी गई। इनके अलावा अंबा के करीबियों में मुकेश साव, राजेश साव, संजय कुमार, पंकज नाथ, कुशाग्र रूद्र, बिंदेश्वर कुमार दांगी, मनोज अग्रवाल, उदय साव, राजू साव, धीरेंद्र साव और अजीत कुमार गुप्ता के ठिकानों पर छापेमारी की गई है।

सीएए को लेकर केजरीवाल का केंद्र पर हमला

भारतीयों के हितों को कुचलने का लगाया आरोप

नई दिल्ली,केंद्र सरकार द्वारा नागरिकता संशोधन अधिनियम की अधिसूचना जारी किए जाने के बाद दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने बीजेपी पर हमला बोला है। उन्होंने बीजेपी पर भारतीय नागरिकों से ज्यादा विदेशियों के हितों को प्राथमिकता देने का आरोप लगाया है। प्रेस कांफ्रेंस में मुख्यमंत्री ने नागरिकता संशोधन कानून के औचित्य पर सवाल उठाया। इसके अलावा मुख्यमंत्री ने सीएए लागू होने के बाद अल्पसंख्यकों के भारत में संभावित आमद पर भी चिंता जताई। मुख्यमंत्री ने सवाल किया कि आखिर सीएए क्या है? उन्होंने सीएए के तहत अल्पसंख्यकों को नागरिकता दिए जाने के औचित्य पर सवाल उठाया। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस कदम से भारत में अल्पसंख्यकों की संख्या में तेज वृद्धि हो सकती है। उन्होंने कहा कि ऐसी स्थिति में जब भारत व्यापक स्तर पर बेरोजगारी और आवास की समस्या से जूझ रहा है, ऐसे में अगर बड़ी संख्या में अल्पसंख्यकों की आमद होती है, तो यह हमारे लिए बड़ी चुनौती हो सकती है। वहीं, मुख्यमंत्री ने बीजेपी सरकार को भारत में बड़े पैमाने पर व्याप्त बेरोजगारी और आवास की समस्या के लिए जिम्मेदार ठहराया, वहीं दूसरी तरफ विदेशियों के हितों को प्राथमिकता देने का भी आरोप लगााया। केजरीवाल ने अपने नागरिकों और विदेशी नागरिकों के प्रति सरकार के दृष्टिकोण में स्पष्ट असमानता पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा, भाजपा भारतीय युवाओं के लिए रोजगार के अवसर पैदा करने के लिए संघर्ष कर रही है, लेकिन पाकिस्तान के युवाओं को नौकरी देना चाहती है।

उन्होंने भाजपा पर मूल नागरिकों के अधिकारों और अवसरों की कीमत पर पाकिस्तान से आए लोगों को भारत में बसाने का प्रयास करने का भी आरोप लगाया।

खाई में गिरी पिकअप वैन, 4 की मौत, 20 घायल

सासाराम,बिहार के रोहतास जिले के चेनारी थाना क्षेत्र में बुधवार को गुप्ताधाम जाने के क्रम में एक पिकअप वैन अनियंत्रित होकर खाई में गिर गई। इस दुर्घटना में चार लोगो की मौत हो गई, जबकि 20 लोग घायल बताए जा रहे हैं। मरने वालों में सभी महिलाएं हैं।

पुलिस के मुताबिक, भोजपुर जिले के शाहपुर के कई लोग एक पिकअप वैन पर सवार होकर गुप्ता धाम महादेव के मंदिर दर्शन के लिए जा रहे थे। इसी दौरान चेनारी थाना के गायघाट के समीप वैन अनियंत्रित होकर सडक़ किनारे खाई में जा गिरी। चेनारी के थाना प्रभारी रंजन कुमार ने बताया कि इस दुर्घटना में चार महिलाओं की घटनास्थल पर ही मौत हो गई, जबकि करीब 20 अन्य लोग घायल हो गए। सभी घायलों को इलाज के लिए स्थानीय अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

सुप्रीम कोर्ट 15 मार्च को करेगा चुनाव आयुक्तों के नियुक्ति कानून से संबंधित याचिकाओं पर सुनवाई

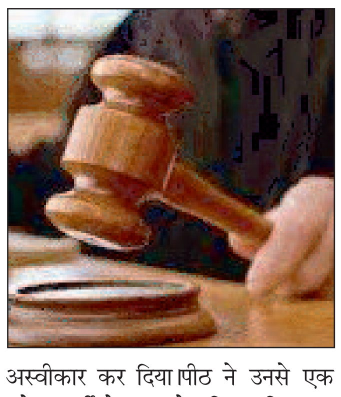

नईदिल्ली,सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को मुख्य चुनाव आयुक्त और चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति से संबंधित नए कानून को चुनौती देने वाली याचिकाओं को स्वीकार कर लिया।कोर्ट 15 मार्च को मुख्य चुनाव आयुक्त और अन्य चुनाव आयुक्त (नियुक्ति, सेवा शर्तें एवं कार्यकाल) अधिनियम, 2023 से संबंधित इन याचिकाओं पर सुनवाई करेगा। ये याचिकाएं एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स (एडीआर) और मध्य प्रदेश महिला कांग्रेस की महासचिव डॉ जया ठाकुर ने दायर की हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, एडीआर की ओर से पेश वकील प्रशांत भूषण ने न्यायाधीश संजीव खन्ना, दीपांकर दत्ता और प्रशांत कुमार मिश्रा की पीठ के समक्ष याचिकाओं का उल्लेख किया तो उन्होंने अनुरोध को अस्वीकार कर दिया।पीठ ने उनसे एक उल्लेख पर्ची पेश करके उचित प्रक्रिया का पालन करने को कहा था, लेकिन बुधवार को न्यायाधीश खन्ना ने भूषण को बताया कि उन्हें अभी मुख्य न्यायाधीश से संदेश मिला है कि मामला शुक्रवार को सूचीबद्ध किया जाएगा। लोकसभा चुनाव की घोषणा होने में कुछ दिन शेष हैं और 2 चुनाव आयुक्तों के पद रिक्त पड़े हैं।इनमें से चुनाव आयुक्त अरुण गोयल ने पिछले हफ्ते इस्तीफा दिया था, वहीं अनूप चंद्र पांडे पिछले महीने सेवानिवृत्त हुए थे।अब केवल मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार ही आयोग में बचे हैं।खबर है कि 15 मार्च को ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बाकी 2 आयुक्तों की नियुक्ति के लिए अहम बैठक करने वाले हैं। 21 दिसंबर, 2023 को ये अधिनियम संसद से पारित हुआ था।नए कानून के तहत मुख्य चुनाव आयुक्त और चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति राष्ट्रपति द्वारा एक समिति की सलाह पर होगी, जिसमें प्रधानमंत्री, लोकसभा में विपक्ष के नेता और मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) की जगह एक कैबिनेट मंत्री होंगे।

उत्तराखण्ड शासन | G20 | 75 आज़ादी का अमृत महोत्सव

पुष्कर सिंह धामी
मुख्यमंत्री, उत्तराखण्ड

वोकल फॉर लोकल
से स्थानीय उत्पादों को मिल रही पहचान

नरेन्द्र मोदी
प्रधानमंत्री

उत्तराखण्ड बांस एवं रेशा विकास परिषद् से बांस एवं हिमालयन नेटल के उत्पाद!

हिमालयन नेटल तथा बांस से बने लैम्पशेड

बांस तथा नेटल अण्डाकार **लैम्प्स** उत्तराखंड राज्य जो हिमालय पर्वत **श्रृंखला** के तलहटी पर **स्थित** है के पारम्परिक हस्तशिल्पियों द्वारा तैयार किये गये हैं। **लैम्प्स** हिमालयन नेटल के **कपड़े** से तैयार किये गये हैं जो प्राकृतिक रूप से उत्तराखंड में पाया जाता है। ये लैम्पस् प्रकृति की गर्माहट के साथ रोशनी फैलाने में उत्कृष्ट हैं **और** किसी भी इनडोर स्थान को **सॉफ्ट** लुक देते हैं।

बांस की बोतल

हम बांस से पर्यावरण अनुकलू और टिकाऊ जीवन शैली के उत्पादों को तैयार कर रहे हैं। इसी श्रृखला मे बांस के आवरण का उपयोग करते हुए सुन्दर एवं उच्च गुणवत्ता के स्टेनलेस स्टील जो विद्युत रोधित है, को शुभारम्भ किया जा रहा है।

हिमालयन बिच्छू घास से बना इको-टेक्सटाइल

(Girardiniadiversifolia) उत्तराखंड हिमालय

हिमालयन नेटल एक बहुवर्षीय पौधा है जो हिमालय के शीतोष्ण तथा उप उष्णकटिबंधीय क्षेत्रों में समुद्रतल से 1200 से 2900 मीटर पर पाया जाता है। यह **चौड़े** पते का पौधा अधिकतर उत्तराखंड के जंगलों तथा रिहायसी क्षेत्रों जहां नमी होती है में पाया जाता है। हिमालयन नेटल से तैयार किये जा रहे वस्त्र कोई नया विचार नहीं है। इससे बने वस्त्रों का उपयोग स्थानीय लोग हजारों **वर्षों** से करते आ रहे हैं। लेकिन हिमालयन नेटल ने अपनी प्रसिद्धि तब से खोई है, जबसे बाजार में सिंथेटिक तथा अन्य रेशा बाजार में आया। हिमालयन नेटल की सम्भावनाओं को देखते हुए उत्तराखण्ड बांस एवं रेशा विकास परिषद् द्वारा पर्यावरण अनुकूल प्राकृतिक रेशा **के जरिए पहाड़ी लोगों विशेषतः** भोटिया समुदाय के **आजीविका में सुधार लाया जा रहा है,** जो मुख्यतः हिमालयन नेटल के उत्पादों को तैयार कर रहे हैं। हिमालयन नेटल से तैयार किये गये वस्त्र अपने विशिष्ट गुणों के कारण अन्य रेशों से अलग हैं।

- इसके रेशे गर्म और ठंडे दोनों तरह के तापीय गुणों वाले कपड़े बनाने में उपयोगी हैं।
- इन रेशों से रोगाणुरोधी, जीवाणुरोधी और अग्निरोधी कपड़े बनायें जाते हैं।
- झुर्रियों को कम करने के लिए प्रतिरोध के रूप में उपयोगी

बिच्छू घास उत्पादों का उपयोग करके, आप गुणवत्ता युक्त उत्पादों को तो अपनाते ही हैं, साथ ही आप एक समग्र मिशन में भी भाग लेकर पर्यावरण का समर्थन करने वाले कारीगर को सशक्त बनाते हैं, जो कि टिकाऊ इको-फैब्रिक्स और पृथ्वी की जैव-विविधता को बढ़ावा देता है। साथ ही ग्रामीण इलाकों के हजारों सीमांत कारीगरों और आदिवासी समुदायों की सहायता भी करते हैं।

अधिक जानकारी के लिए कृपया संपर्क करें:

उत्तराखंड बांस एवं रेशा विकास परिषद्

न्यू फॉरेस्ट कॉलोनी, इंदिरा नगर, देहरादून-248006, उत्तराखंड | फोन और फैक्स: +91 135 3501947, ईमेल: uabamboo@gmail.com, वेबसाइट: www.ubfdb.org.in

दून का बेहतरीन रेशम

दून सिल्क उत्तराखंड कोऑपरेटिव सिल्क फेडरेशन (UCRF) का एक ब्रांड है, जो उत्तराखंड की पारंपरिक रेशम बुनाई को पुनर्जीवित करने के लिए एक प्रेरक शक्ति **के रूप में काम कर रहा है।** 'दून सिल्क ब्रांड' रेशम, ऊन, कपास जैसे प्राकृतिक रेशों का उपयोग करके हथकरघा के माध्यम से उत्पाद बनाने को अत्यधिक महत्व **दे रहा है।** बिछुआ और भांग, हमारे पर्यावरण और पारिस्थितिकी तंत्र को कोई नुकसान नहीं **पहुंचाते हैं।**

दून सिल्क के माध्यम से उत्तराखंड के 6000 से अधिक किसानों, रीलर्स, बुनकरों, कारीगरों और रंगरेजों को रोजगार देने का लक्ष्य है। इन उत्पादों का निर्यात यूरोपीय और अमेरिकी देशों के **बाजारों** में किया जा रहा है। **इन उत्पादों के लिए वहां से जबरदस्त प्रतिक्रिया मिल रही है।** ये उत्पाद ग्राहकों को 100% शुद्धता की गारंटी देते हैं और साथ ही ये उत्पाद अविश्वसनीय कीमतों पर उपलब्ध हैं। देश के बाजारों में प्रमुख रूप से रेशम की साड़ियाँ, कोट, स्टोल और प्राकृतिक रेशों से बने शॉल की भारी मांग है। **साथ ही, विदेशों में भी इन उत्पादों की मांग में तेजी से इजाफा हो रहा है।**

पौष्टिक अनाज

सूक्ष्म पौष्टिक अनाज प्राचीन समय से उत्तराखंड के प्रमुख अनाज घटक रहे हैं। इन अनाजों की उच्च पोषिकता अब दुनिया भर में प्रकाश में आ रही है। सूक्ष्म पौष्टिक अनाज में शुष्क पथरीली भूमि में उगने की जबरदस्त क्षमता होती है और इसमें उच्च मात्रा में पुआल भी होता है, जो स्थानीय पशुधन के लिए फायदेमंद है।

रागी

रागी का प्रयोग आटे के रूप में किया जाता है। आटा गूंथते समय कुछ मात्रा में गेहूँ भी मिलाया जाता है और चपाती के रूप में खाया जाता है। इसे आमतौर पर सर्दियों में खाया जाता है। अब इसका उपयोग बेकरी उत्पाद, शिशु आहार और अन्य बेक्ड डेरिवेटिव बनाने के लिए किया जा रहा है।

स्थानीय नाम : मंडुआ
वानस्पतिक नाम: एलुसिन कोरकाना
पोषण घटक: पानी 13.1 ग्राम, प्रोटीन 7.3 ग्राम, वसा 1.3 ग्राम, कैल्शियम 344 मिलीग्राम, कार्बोहाइड्रेट 72.0 ग्राम, विटामिन ए, विटामिन बी, कैलोरी 328, आयरन 6.4 मिलीग्राम।

सूचना एवं लोक सम्पर्क विभाग, उत्तराखण्ड द्वारा जनहित में जारी | www.uttarainformation.gov.in | DIPR_UK | UttarakhandDIPR | UttarakhandDIPR

अंकिता की लड़ाई लड़ रहे व्यक्तियों के उत्पीड़न का आरोप, किया प्रदर्शन

● कांग्रेस व उक्रांद सहित अन्य सामाजिक संगठनों ने न्यायालय परिसर के समीप किया प्रदर्शन

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : अंकिता भंडारी को न्याय दिलवाने की लड़ाई लड़ रहे व्यक्तियों के उत्पीड़न का आरोप लगाते हुए कांग्रेस सहित विभिन्न संगठनों ने अपर जिला व सत्र न्यायाधीश परिसर के बाहर सड़क पर प्रदर्शन किया। कहा कि देवभूमि की बेटी को न्याय दिलवाने के लिए आमजन सड़क पर उतरकर आंदोलन करेगा। इस दौरान प्रदर्शनकारियों व पुलिस के बीच सड़क जाम करने को लेकर झड़प भी हुई।

बुधवार को अंकिता भंडारी प्रकरण की लड़ाई लड़ रहे आशुतोष नेगी की जमानत याचिका पर सुनवाई होनी थी। सुबह ही कांग्रेस, उत्तराखंड क्रांति दल सहित कई अन्य संगठनों के लोग पीड़िता की माता-पिता के साथ अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश परिसर के बाहर एकत्र हुए व प्रदेश सरकार के खिलाफ प्रदर्शन

कोटद्वार में अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश परिसर के समक्ष प्रदर्शन करते संगठन के लोग

किया। कहा कि पूरे प्रकरण में सरकार आरोपितों को बचाने का कार्य कर रही है। सरकार के खिलाफ आवाज बुलंद करने वालों का उत्पीड़न किया जा रहा है। कहा कि बेटी को न्याय दिलाने के लिए अब जनता को आगे आना होगा। इस दौरान प्रदर्शनकारी बीच सड़क के मध्य में आकर प्रदर्शन करने का प्रयास करने लगे। जिस पर पुलिस उन्हें जबरन उठाने लगी, जिसके बाद प्रदर्शनकारी व पुलिस के बीच हल्की नोकझोंक भी हुई। आशुतोष नेगी की जमानत मंजूर होने के बाद प्रदर्शनकारी यहां से वापस लौटे। प्रदर्शन करने वालों में महिला कांग्रेस जिलाध्यक्ष रश्मि पटवाल, रंजना रावत, शिवानंद लखेड़ा, केंद्रीय कार्यकारी अध्यक्ष महेंद्र सिंह रावत, महामंत्री सत्यप्रकाश भारद्वाज, प्रचार मंत्री ध्यान सिंह गुसाई, सांगठनिक जिलाध्यक्ष मुकेश बड़थ्वाल, रामप्रसाद डोबरियाल, शिव सिंह रावत, विमलेश देवी, बसंती देवी, महावीर सिंह, विनोद नेगी आदि मौजूद रहे।

चुनाव का मिला आश्वासन, उपवास समाप्त

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : लोकसभा चुनाव के बाद सिद्धपीठ सुखरो देवी मंदिर समिति के चुनाव करवाने का आश्वासन मिलने के बाद राजाराम अण्थ्वाल ने अपना उपवास समाप्त कर दिया। कहा कि यदि आश्वासन झूठा निकला तो दोबारा आंदोलन किया जाएगा। मंदिर समिति के चुनाव करवाने के लिए राजाराम अण्थ्वाल पिछले छह दिन से उपवास पर डटे हुए थे। इस संबंध में उन्होंने शासन-प्रशासन को भी पत्र भेजा था। अण्थ्वाल ने बताया कि बुधवार को उन्हें प्रशासन की ओर से एक प्रत्र प्राप्त हुआ है। जिसमें लोकसभा चुनाव के बाद मंदिर समिति के चुनाव करवाने का आश्वासन दिया गया है। लेकिन, इसमें तिथि का उल्लेख नहीं किया गया है। इस दौरान पूर्व विधायक शैलेंद्र सिंह रावत ने अण्थ्वाल को जूस पिलाकर उनका उपवास समाप्त करवाया। इस मौके पर पार्षद प्रवेंद्र रावत, सत्यप्रकाश भारद्वाज, पातीराम ध्यानी, पुष्कर सिंह गुसाईं, कोमल सजवाण, विपिन चंद्र बड़थ्वाल, मनमोहन बड़थ्वाल, रवींद्र सिंह चौहान, विजय ध्यानी, गिरीश चंद्र जखमोला, गोविंद डंडरियाल आदि मौजूद रहे।

गोवंश सरक्षण के लिए पूर्व सैनिकों ने दिया धरना

कोटद्वार के काशीरामपुर तल्ला में गौशाला के गेट पर प्रदर्शन करते पूर्व सैनिक

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : शहर में लगातार बढ़ रही आवारा गोवंशों की संख्या से आक्रोशित पूर्व सैनिकों ने काशीरामपुर तल्ला स्थित गौशाला के गेट पर धरना दिया। कहा कि शासन-प्रशासन गोवंश संरक्षण को लेकर गंभीरता नहीं दिखा रहा। एक ओर जहां गोवंश यातायात में बाधा बन रहे हैं। वहीं, यह राहगिरों के लिए भी मुसीबत बने हुए हैं। कहा कि जनता के हित को देखते हुए जल्द गोवंश संरक्षण पर ध्यान दिया जाना चाहिए।

बुधवार को पूर्व सैनिकों ने काशीरामपुर तल्ला स्थित निगम की गौशाला के गेट पर पहुंचकर धरना दिया। कहा कि कुछ वर्ष पूर्व लाखों की लागत से गौशाला का निर्माण करवाया गया था। लेकिन, वर्तमान में यह गौशाला केवल सफेद हाथी बनकर रह गई है। सड़कों पर घूमने वाले गोवंशों को अब तक यहां शिफ्ट नहीं किया गया है। नतीजा, सड़कों पर लगातार बढ़ रहे गोवंश शहरवासियों के लिए मुसीबत बनते जा रहे हैं। कई बार गोवंश सड़क किनारे दुकानों के भीतर तक घुस जाते हैं। सबसे अधिक चिंता बुजुर्ग व बच्चों की बनी रहती है। गोवंशों के हमले से कई लोग अस्पताल भी पहुंच चुके हैं। कहा कि शासन-प्रशासन को जल्द से जल्द इन गोवंश के संरक्षण पर ध्यान देना चाहिए। इस मौके पर सीपी डोबरियाल, गोपाल कृष्ण बड़थ्वाल, बलवान सिंह रावत, संजय असवाल, राजेश डबराल विनोद कुकरेती, कैलाश चंद्र आदि मौजूद रहे।

राज्य गठन के बाद भी सड़क सुविधा को तरस रहे ग्रामीण

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : दुगड्डा ब्लाक के अंतर्गत ग्राम पंचायत भदालीखाल, भ्यूलेत, कोला, कोला तल्ला, मतकोट व जुगरसैण के ग्रामीण दशकों से सड़क सुविधा को तरस रहे हैं। ग्रामीणों ने केंद्र सरकार से उनकी समस्या को गंभीरता से लेते हुए जल्द सड़क निर्माण की मांग की है।

ग्रामीणों ने प्रधानमंत्री को ज्ञापन भेजा। बताया कि वर्तमान में इन सभी गांव में पांच सौ से अधिक ग्रामीण रहते हैं। लेकिन, सड़क सुविधा नहीं होने से ग्रामीण पलायन को मजबूर हो रहे हैं। ग्रामीणों को मुख्य मार्ग भदालीखाल से गांव तक पहुंचने के लिए आठ किलोमीटर पैदल चलना पड़ता है। ऐसे में सबसे अधिक परेशानी बीमार व्यक्तियों को अस्पताल तक पहुंचाने में होती है। बताया कि पूर्व में अधिकारी व जनप्रतिनिधियों ने जल्द सड़क निर्माण का आश्वासन दिया था। लेकिन, अब तक इस ओर ध्यान नहीं दिया गया। कहा कि ग्रामीणों के हितों को लेकर हुए जल्द सड़क निर्माण करवाया जाना चाहिए। इस मौके पर जसपाल सिंह रावत, सीता देवी, करन रावत, किरन रावत, नरेंद्र कुमार, बलवीर सिंह, रेशमा देवी, बसंती देवी, संतोषी आदि मौजूद रहे।

ग्रामीणों को दी सरकारी योजनाओं की जानकारी

कोटद्वार : स्वतंत्रता संग्राम सेनानी थान सिंह रावत राजकीय महाविद्यालय में संचालित हो रहे देवभूमि उद्यमिता विकास कार्यक्रम का बुधवार को समापन हो गया। इस दौरान अधिकारियों ने ग्रामीणों को सरकारी योजनाओं की जानकारी दी। 12 दिवसीय प्रशिक्षण शिविर के दौरान विद्यार्थियों को स्वरोजगार से जुड़ने के लिए प्रेरित किया गया। अंतिम दिन खंड विकास अधिकारी प्रमोद चंद्र पांडेय ने ग्रामीणों व विद्यार्थियों को सरकारी योजनाओं की जानकारी दी। कहा कि ग्रामीणों को अधिक से अधिक सरकारी योजनाओं का लाभ उठाना चाहिए। इस मौके पर मनीष सुंदरियाल, रूपेंद्र रावत, सिद्धार्थ रावत, डा. अर्चना, डा. पवन कुमार आदि मौजूद रहे।

दोहरी मान्यता मिलने पर जताई खुशी

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : भारत सरकार के कौशल उद्यमिता मंत्रालय के अंतर्गत एनसीवीइटी के माध्यम से सूचना प्रौद्योगिकी विकास एजेंसी को कंम्प्यूटर प्रशिक्षण करने के लिए दोहरी मान्यता मिल गई है। जिससे सूचना प्रौद्योगिकी विकास एजेंसी भी अब योग्य शिक्षार्थियों को उनका मूल्यांकन कर उन्हें सर्टिफिकेट प्रदान कर सकता है।दोहरी मान्यता मिलने पर संस्थान से जुड़े अधिकारी व कर्मचारियों ने खुशी जताई। संस्थान के डायरेक्टर नंदकिशोर जखमोला ने कहा कि सूचना प्रौद्यौगिकी विकास एजेंसी उत्तराखंड सरकार की एक मात्र संस्था है, जिसे दोहरी मान्यता प्रदान की गई है। यह मान्यता यह सुनिश्चित करती है कि संस्था के माध्यम से उपलब्ध करवाई जा रही शिक्षा राष्ट्रीय व अंतर्राष्ट्रीय दोनों क्षेत्रों में मान्यता प्राप्त है। खुशी व्यक्त करने वालों में अरविंद दुदपुड़ी, अनीता जखमोला, भारत रावत, ज्योति नेगी, मोहित ठाकुर, नितेश रावत, शिवानी नेगी, राज जखमोला शामिल रहे।

आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों की अनदेखी नहीं होगी बर्दाश्त

मानदेय बढ़ाने की मांग को लेकर जारी रहा आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों का आंदोलन

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : 18 हजार मानदेय सहित विभिन्न मांगों को लेकर आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों का कार्य बहिष्कार बुधवार को भी जारी है। कार्य बहिष्कार करते हुए आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों ने तहसील परिसर में धरना दिया। कहा कि उनकी अनदेखी किसी भी हाल में बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

दुगड्डा ब्लाक अध्यक्ष ऊषा गोस्वामी व प्रदेश उपाध्यक्ष बसंती रावत के नेतृत्व में आंगनबाड़ी कार्यकत्री तहसील परिसर में एकत्र हुई व धरने पर बैठ गई। धरना-प्रदर्शन कर प्रदेश सरकार के खिलाफ नारेबाजी करते हुए उपेक्षा का आरोप लगाया।

प्रदेश उपाध्यक्ष बसंती रावत ने कहा कि कैबिनेट की बैठक में आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों के मानदेय बढ़ाने को लेकर कोई प्रस्ताव नहीं लाया गया, जिससे आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों में प्रदेश सरकार के रवैये के खिलाफ जबरदस्त रोष पनप

कोटद्वार तहसील में धरना देती आंगनबाड़ी कार्यकत्रियां

रहा है। कहा कि वर्तमान में आंगनबाड़ी अल्प मानदेय में केंद्र व राज्य सरकार की महत्वाकांक्षी योजनाओं को धरातल पर उतारने का काम कर रही है। लेकिन, सरकार आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों की समस्याओं की सुध नहीं ले रही है। कहा कि अल्प मानदेय में घर परिवार का खर्च चलाना संभव नहीं हो पा रहा है। बच्चों को उच्च शिक्षा भी ग्रहण नहीं करवा पा रहे है। इस मौके पर संगीता सिलमाना, सुनीता नेगी, गीता रावत, सरिता देवी, हेमलता रावत, रेखा बिष्ट, लक्ष्मी देवी, कृष्णा देवी, रोशनी, शीतल, वंदना लखेड़ा, संपति रावत, प्रतिमा देवी मौजूद रहे।

शिक्षा व्यवस्था बेहतर बनाने के लिए की गोष्ठी

कोटद्वार : जयहरीखाल ब्लॉक के स्कूलों में शैक्षणिक स्तर बेहतर बनाने के लिए गोष्ठी हुई। प्राथमिक विद्यालयों में किए गए प्रयोगों पर शिक्षकों ने अपने अनुभव साझा किए। शिक्षक राजीव थपलियाल ने बताया कि गोष्ठी में शिक्षकों ने नवाचार को लेकर जानकारी दी। खंड शिक्षा अधिकारी अमित कुमार चंद ने आगामी सत्र के लिए सुझाव दिए। इस दौरान मोहन सिंह गुसाईं, मंजू राणा, सतीश कुमार,जगदीश राठी, विजया उनियाल, सूरज कुमार, महेंद्र कुमार आदि मौजूद रहे।

सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है हमने अपनी संस्था का नाम श्री गोविन्द गौ सेवा संस्था पता ग्राम उमेदूबाखल, पो0ओ0 तोल्यूडाण्डा, तहसील रिखणीखाल, जनपद पौड़ी गढ़वाल उत्तराखण्ड रखा है। यदि किसी को भी संस्था के नाम और पते से आपत्ति हो तो इस प्रकाशन के 07 दिन के अन्दर उप निबंधक फर्म्स सोसायटी एवं चिट्स कार्यालय पौड़ी में आपत्ति दर्ज करें।

सचिव
श्री गोविन्द गौ सेवा संस्था
जंगबहादुर सिंह रावत

विद्यार्थियों को बताया बौद्धिक संपदा का महत्व

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय कोटद्वार में आईपीआर, आईक्यूएसी के तत्वाधान में युकास्ट द्वारा (आईपीआर) बौद्धिक संपदा अधिकार पर व्याख्यान कार्यशाला आयोजित की गई। जिसमें विद्यार्थियों को बौद्धिक संपदा के महत्व के बारे में बताया गया।

आयोजित कार्यक्रम का शुभारंभ प्राचार्य जानकी पंवार, मुख्य वक्ता अवधेश अग्रवाल, प्रोफेसर रमेश चौहान व महाविद्यालय के वरिष्ठ प्राध्यापक प्रोफेसर एमडी कुशवाहा, डा. सरिता चौहान ने किया। कार्यक्रम संयोजिका डॉ. सरिता चौहान ने अपने वक्तव्य में बौद्धिक संपदा के महत्व को समझाते हुए उनके विभिन्न आयामों पर कार्य करने हेतु प्रेरित किया। इसी क्रम को आगे बढ़ाते हुए महाविद्यालय के वरिष्ठ प्राध्यापक प्रो. एमडी कुशवाहा ने कहा कि आज के ग्लोबल युग में ज्ञान एवं

महाविद्यालय में आयोजित कार्यशाला में मौजूद शिक्षक व अन्य

सूचना के युग में बौद्धिक संपदा को सहेज कर रखना बहुत आवश्यक है। उन्होंने छात्र-छात्राओं को अपनी क्रियात्मक कार्य को कॉपीराइट करवाने को प्रोत्साहित किया। महाविद्यालय के जंतु विज्ञान विभाग के डॉ. मोहन कुकरेती ने बौद्धिक संपदा अधिकार के अंतर्गत भारतीय ज्ञान प्रणाली पर कार्य करने की सलाह दी इसी। कार्यक्रम में महाविद्यालय की प्राचार्य प्रो. जानकी पंवार ने कार्यक्रम की समीक्षा करते हुए कॉपीराइट के उल्लंघन करने पर होने वाले खतरों से आगाह किया।

उक्रांद ने उठाई सीबीआई जांच की मांग

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : उत्तराखंड क्रांति दल ने वनंतरा प्रकरण की सीबीआई जांच करवाने की मांग की है।

कहा कि उत्तराखंड की बेटियों के साथ अत्याचार किसी भी हाल में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। लगातार हो रहे आंदोलन को देखते हुए जल्द मामले की सीबीआई जांच होनी चाहिए। इस दौरान दल ने क्षेत्र में न्याय यात्रा भी निकाली।

बुधवार को दल के कार्यालय में बैठक का आयोजन किया गया। केंद्रीय कार्यकारी अध्यक्ष महेंद्र सिंह रावत ने कहा कि वनंतरा प्रकरण को लेकर पूरे प्रदेश में आंदोलन की चिंगारी भड़क रही हैं। बावजूद सरकार मामले को लेकर लापरवाह बनी हुई है। सरकार की कार्यप्रणाली से प्रतीत होता है कि वह आरोपितों को बचाने का प्रयास कर रही है। कहा कि पीड़िता को न्याय दिलवाने के लिए उक्रांद आमजन के साथ मिलकर न्याय यात्रा निकालेगा।

इसके उपरांत कार्यकर्त्ता व पदाधिकारियों ने सिम्मलचौड़ न्यायालय परिसर तक न्याय यात्रा भी निकाली। कहा कि जब तक बेटी को न्याय नहीं मिलता दल की यह यात्रा जारी रहेगी। इस मौके पर केंद्रीय महामंत्री सत्यप्रकाश भारद्वाज, हरीश द्विवेदी, पुष्कर सिंह रावत, गुलबा सिंह रावत, विजय भट्ट आदि मौजूद रहे।

जंगल में मिला निगम कार्यालय में तैनात कंप्यूटर लिपिक का शव

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : नगर निगम कोटद्वार कार्यालय में तैनात एक संविदा कंप्यूटर लिपिक का शव उसके घर से कुछ दूर जंगल से बरामद हुआ है। पुलिस ने शव का पंचनामा भर पोस्टमार्टम के बाद परिजनों को सौंप दिया।

मौके से बरामद कीटनाशक के आधार पर प्रथम दृष्ट्या मामला आत्महत्या का प्रतीक हो रहा है। वार्ड नंबर दो कुम्भीचौड़ रामपुर निवासी विनय पंवार 38 वर्ष पुत्र बालम सिंह नगर निगम में संविदा कंप्यूटर लिपिक के पद पर तैनात था। विनय पंवार मंगलवार सुबह घर से बिना कुछ कहे कहीं चला गया था। बुधवार सुबह मार्निंग वाक पर निकले कुछ लोगों ने नाग देवता मंदिर से कुछ दूर जंगल में विनय का शव पड़ा देखा। लोगों ने विनय के घर में इसकी सूचना दी। साथ ही पुलिस को भी मामले की सूचना दी गई। सूचना मिलने के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में ले लिया। पुलिस उपनिरीक्षक संजय रावत ने बताया कि शव के समीप ही कीटनाशक दवा की एक शीशी बरामद हुई। उन्होंने आशंका जताते हुए कहा कि संभवतः कीटनाशक के सेवन से विनय की मौत हुई है।

विद्यालय प्रबन्धन समिति रा0प्रा0वि0 सुन्दर (रणगांव) वि0ख0 थलीसैंण

पत्रांक -517-ध्वस्तीकरण/रा0प्रा0वि0 सुन्दर   दिनांक 13/03/2024

निष्प्रयोज्य विद्यालय भवन नीलामी निविदा सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है रा0प्रा0वि0 सुन्दर (रणगांव) वि0ख0 थलीसैंण के निष्प्रयोज्य विद्यालय भवन सामग्री ''जहां है जैसा है जिस हालत में है'' खुली बोली के माध्यम से दिनांक 17/03/2024 (रविवार) को प्रातः 11 बजे विद्यालय प्रबंधन समिति के समक्ष '''नीलामी बोली' की जायेगी। इच्छुक क्रेता उक्त तिथि तक उक्त सामग्री का अवलोकन कर सकते है। तथा निम्न मोबाइल नं0 9410392316, 7668728432 पर सम्पर्क कर अधिक जानकारी प्राप्त कर सकते है।

नीलामी बोली हेतु आवश्यक शर्तेः-

1. नीलामी बोली का न्यूनतम मूल्य 0.11 लाख + प्रचार प्रसार शुल्क अलग से देय होगा।
2- प्रत्येक बोलीकर्ता को नीलामी से पूर्व उक्त राशि समिति के पक्ष में जमा करना अनिवार्य है।
3- उच्च बोली कर्ता को बोली स्वीकार कर उक्त बोलीकर्ता को एक सप्ताह के अन्दर अपना सम्पूर्ण मलवा/सामग्री उठान साफ कर/समतलीकरण कर देना होगा अन्यथा उक्त की जमा राशि विभाग के पक्ष में जप्त कर पुनः नीलामी बोली आमंत्रित की जायेगी।

अध्यक्ष
विद्यालय प्रबन्धन समिति
रा0प्रा0वि0 सुन्दर (रणगांव)
वि0ख0 थलीसैंण पौड़ी गढ़वाल
उत्तराखण्ड

प्रधानाध्यापक
राजकीय प्राथमिक विद्यालय
सुन्दर (रणगांव)
वि0ख0 थलीसैंण पौड़ी गढ़वाल
उत्तराखण्ड

गढ़वाल विवि में फागोत्सव कार्यक्रम की धूम रही

श्रीनगर गढ़वाल : हेमवती नंदन बहुगुणा गढ़वाल विश्वविद्यालय के संगीत विभाग में फागोत्सव कार्यक्रम की धूम रही। कार्यक्रम का शुभारंभ संगीत विभाग की विभागाध्यक्ष प्रो. आशा पांडे और वरिष्ठ रंगकर्मी प्रो. डीआर पुरोहित ने संयुक्त रूप से किया। कार्यक्रम में विभाग के भूतपूर्व छात्र डॉ. संजय पाण्डेय एवं डॉ. लता पाण्डेय को उस्ताद बिस्मिल्लाह खान युवा पुरस्कार से नवाजे जाने पर उन्हें सम्मानित किया गया। इसके पश्चात आशा पांडे ने खड़ी होली सिद्धि को दाता हां हां मोहन गिरधारी, राजेश जोशी तथा आशा पांडे ने खड़ी होली धमार गायन मनसुख लाओ हो मृदंग गाव सुहागिन होली, का गायन कर श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया।

लोकसभा चुनाव में शतप्रतिशत मतदान करें

जयन्त प्रतिनिधि।पौड़ी : आगामी लोकसभा चुनाव के दृष्टिगत जनपद के समस्त विकासखंड़ों में मतदाताओं को मतदान के लिए विभिन्न कार्यक्रमों के माध्यम से जागरूक किया जा रहा है। साथ ही गांव से बाहर रह रहे मतदाताओं से संपर्क कर उन्हें अपने ही गांव में मतदान करने की अपील भी की जा रही है। जिला निर्वाचन अधिकारी डॉ. आशीष चौहान ने जनपद के समस्त मतदाताओं व 18 वर्ष की आयु पूर्ण कर चुके नये मतदाताओं को आगामी लोकसभा चुनाव में अधिक से अधिक मतदान करने की अपील की है।

मतदान की शपथ लेते हुए महिलाएं।

बुधवार को जागरूक कार्यक्रम के तहत राइका कांडाखाल, राइका पाबौ, राउमावि कंडेरी, राउमावि चौखाल सहित अन्य विद्यालयों में स्कूली बच्चों द्वारा नुक्कड़ नाटक, रैली, पोस्टर, रंगोली, सहित अन्य गतिविधियों के माध्यम से मतदाताओं को मतदान के लिए जागरूक किया गया। वहीं विकासखंड एकेश्वर, पाबौ, रिखणीखाल, कोट, पौड़ी, द्वारीखाल सहित अन्य स्थानों में खंड विकास अधिकारियों द्वारा मतदाताओं को मतदान की शपथ दिलाई गई। इस दौरान संबंधित अधिकारियों द्वारा शपथ के दौरान समस्त मतदाताओं को आगामी लोकसभा चुनाव में शतप्रतिशत मतदान करने को कहा।

19 मार्च से शुरू होगा गढ़वाल विवि का वार्षिकोत्सव : प्रो. नेगी

श्रीनगर गढ़वाल : हेमवती नंदन बहुगुणा गढ़वाल विवि ने अंतर संकाय व अंतर महाविद्यालय शैक्षणिक एवं सांस्कृतिक प्रतियोगिताएं की तिथि तय कर दी है। बुधवार को गढ़वाल विवि के अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो. एमएस नेगी ने बताया कि 19 से 22 मार्च तक वार्षिकोत्सव आयोजित करने का निर्णय लिया गया है। जिसको लेकर गढ़वाल विवि ने तैयारियां शुरू कर दी हैं। डीएसडब्ल्यू नेगी ने कहा कि 19 से 20 मार्च को बिड़ला परिसर की अंतर संकाय सांस्कृतिक व शैक्षणिक प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएंगी। जबकि 21 से 22 मार्च तक गढ़वाल विवि से संबद्ध महाविद्यालयों की अंतर महाविद्यालयी शैक्षणिक व सांस्कृतिक प्रतियोगिताएं आयोजित होंगी। कहा कि वार्षिकोत्सव के आयोजन के लिए विभिन्न समितियों का गठन कर दिया गया है। प्रतियोगिता के लिए 10 स्कूलों की टीमों का गठन किया गया है। प्रो. नेगी ने बताया कि 21 मार्च को रामलीला मैदान श्रीनगर से बिड़ला परिसर स्थित कार्यक्रम स्थल तक छात्र-छात्राओं के द्वारा पारम्परिक वेशभूषा में आकर्षक झांकियां निकाली जायेगी। उन्होंने बताया कि कोरोना काल के बाद पहली बार वृहद स्तर पर सांस्कृतिक एवं शैक्षणिक प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है जिसमें विश्वविद्यालय के टिहरी, पौड़ी परिसर समेत देहरादून, हरिद्वार समेत अन्य संबद्ध संस्थान भी प्रतिभाग कर रहे हैं। इस आयोजन के अंतर्गत लोकनृत्य, लोकगीत गायन, शास्त्रीय नृत्य, प्रश्नोत्तरी, वाद विवाद, पेटिंग समेत अलग-अलग 17 प्रतियोगिताओं के लिए 14 समितियां बनाई गई हैं। (एजेंसी)

उत्तर रेलवे

निविदा सूचना संo: Elect/TRD/MB/2023-24/TN-33 दिनांक : 12.03.2024

विभाग	Electrical (TRD)
टेंडर न.	T-25-TRD-MB-23-24
कार्य का नाम	मुरादाबाद मंडल पर मंकी एंटी क्लाइंबिंग डिवाइस के प्रावधान का चरण–1 का कार्य
निविदा जमा करने की अंतिम दिनांक एवं समय	04.04.2024, 15:00 Hrs
कार्य की अनुमानित लागत (₹)	₹ 5,02,42,324.72/- (Including GST @18%)
बिड सिक्यूरिटी राशि (₹)	₹ 4,01,200/-
निविदा प्रपत्र मूल्य (₹)	NIL
ऑफर की वैधता (दिन)	60 days
कार्य पूरा करने की अवधि	21 Months
वेबसाइट एवं कार्यालय का पता	www.ireps.gov.in कार्यालय मंडल रेल प्रबंधक, उत्तर रेलवे, मुरादाबाद

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ 781/2024

उत्तर रेलवे

आज़ादी का अमृत महोत्सव

ई–निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से प्रवर मण्डल अभियन्ता/मुख्यालय/मुरादाबाद द्वारा ई टेन्डर निम्न टेन्डर संख्या के अर्न्तगत आमंत्रित किये जाते हैं। धरोहर राशि का भुगतान निविदादाता द्वारा केवल IREPS पोर्टल पर उपलब्ध नेट बैंकिंग, डेबिट कार्ड, क्रेडिट कार्ड आदि के माध्यम से आनलाइन भुगतान करना होगा। डिमाण्ड ड्राफ्ट, बैंकर चैक, डिपाजिट रसीद आदि स्वीकार्य नहीं होंगे। टेन्डर से संबंधित अन्य जानकारी वैबसाइट www.ireps.gov.in पर देखें।

Tender No. Date	303-DRM-MB-23-24 dt. 12.03.2024
Name of work	CTR(S) work of 5.386 Km in the jurisdiction of Sr.DEN/HQ/MB. Estimate No. 189/2023
Tender Closing Date Time : 05.04.2024	Advertised Value (Rs.) : 99,96,196.28
Earnest Money (Rs.) : 1,99,900.00	Tender Cost (Rs.) : 00.00
Bidding Start Date : 19.03.2024	Period of Completion : 08 Months
Tender No. Date	304-DRM-MB-23-24 dt. 12.03.2024
Name of work	Replacement of Old dilapidated 04 Nos Type-V Blocks (Vasundhara-II) for Divisional Officer's at Moradabad. Estimate no. 12/2024
Tender Closing Date Time : 05.04.2024	Advertised Value (Rs.) : 1,81,32,466.89
Earnest Money (Rs.) : 2,40,700.00	Tender Cost (Rs.) : 00.00
Bidding Start Date : 19.03.2024	Period of Completion : 12 Months

पत्रांक –75-W/2/3/WA/Publication दिनांक– 12.03.2024   792/2024

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

कार्यालयः- ग्रा0 प्रधान/ग्रा0पं0वि0अधि0- घुलेख विकास खण्ड- थलीसैंण, पौड़ी गढ़वाल

पत्रांक/   मैमो /आर.जी.एस.ए./पं. भवन 2023-2024   दिनांक :- 14/3/2024

अल्पकालिक निविदा / कोटेशन सूचना

महामहिम राज्यपाल महोदय उत्तराखण्ड की ओर से अधोहस्ताक्षरी द्वारा निम्न कार्य हेतु शील्ड निविदायें आमंत्रित की जाती है, निविदा प्रपत्र दि0 14/3/2024 से 15/03/2024 तक किसी भी कार्य दिवस में 10 बजे पूर्वाहन से 04 बजे सायं तक अधोहस्ताक्षरी कार्यालय में निर्धारित शुल्क देकर प्राप्त किये जा सकते हैं, तथा दिनांक 16/03/2024 को अप्राहन 2:00 बजे तक अधोहस्ताक्षरी कार्यालय में निविदा बॉक्स में निविदा डाली जा सकती है, निविदा प्रपत्रों को दिनांक 16/03/2024 को अप्राहन 2:00 बजे उपस्थित निविदाताओं अथवा उनके द्वारा अधिकृत प्रतिनिधियों के समक्ष ग्राम प्रधान/ग्रा0प0वि0अधि0 घुलेख के कार्यालय में निविदा खोलने हेतु गठित समिति द्वारा खोली जायेगी।

क्र0 सं0	कार्य का नाम	धरोहर धनराशि (रू0) में	निविदा प्रपत्र का मूल्य (रू0) में	कार्य पूर्ण करने की अवधि	निविदा की वैधता	ठेकेदार की पंजीकृत श्रेणी	अनु. लागत
1	आर.जी.एस.ए. योजना के अन्तर्गत ग्रा.पं. घुलेख में पंचायत भवन निर्माण।	20,000.00	1000+ 18%GST	06 माह	15 दिन	डी एवं उच्चत्तर	10.00 लाख

1- निविदा प्रपत्र के साथ वांछित धरोहर राशि एन0एस0सी0/बैंक एफ0डी0आर0/पोस्ट ऑफिस पास बुक के रूप में जो कि ग्रा.प. घुलेख के पदनाम बन्धक ही मान्य होगी।
2- निविदा प्रपत्र के साथ 100.00 (एक सौ रू0) का स्टाम्प पेपर एवं रू0 1.00 का हस्ताक्षर युक्त रसीद टिकट हो, वैद्यता की शर्तो के लाना अनिवार्य है इसके बिना निविदा पर विचार नहीं किया जायेगा।
3- निविदा की शर्ते जी0पी0डब्ल्यू-08 जी0पी0डब्ल्यू-9, निविदा प्रपत्र 69/70 के अनुसार होगी, एवं निविदा की अन्य शर्तें/नियम निविदा प्रपत्र प्राप्त कर देखी जा सकती है।
4- किसी भी निविदा को स्वीकृत/अस्वीकृत करने का अधिकार सक्षम अधिकारी के पास सुरक्षित होगा।
नोट - निविदा प्रपत्र क्रय करते समय ठेकेदारों को पंजीकरण प्रमाण पत्र प्रस्तुत करना पड़ेगा।

ग्राम पंचायत विकास अधिकारी
घुलेख विकाखखण्ड थलीसैंण
जिला-पौड़ी गढ़वाल।

डेस्टिनेशन उत्तराखण्ड

प्रगति की ओर अग्रसर

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का उत्तराखण्ड विशेषकर बद्रीनाथ और केदारनाथ के साथ गहरा संबंध है और उनकी यात्राओं और इन प्रमुख तीर्थ स्थलों के विकासकार्यों के लिए किए गए दूरदर्शी प्रयासों में साफ देखा जा सकता है

“ माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में हम अपने राज्य के समग्र विकास, यहां की प्राकृतिक सुंदरता, समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और अपार संभावनाओं को निखारने के लिए प्रतिबद्ध हैं। राज्य की प्रगतिशील नीतियों और रणनीतिक पहल के माध्यम से हम आर्थिक विकास को बढ़ावा देना, बुनियादी ढांचे में सुधार करने और नागरिकों के लिए जीवन की गुणवत्ता को बेहतर की दिशा में अग्रसर हैं। हमारा लक्ष्य उत्तराखण्ड को प्रगति का एक मॉडल बनाना है जहां परंपरा और नवीनता का संगम होता है और जहां हर व्यक्ति राज्य की समृद्धि और कल्याण के लिए कार्य कर विकास में योगदान देता है।

पुष्कर सिंह धामी, मुख्यमंत्री, उत्तराखण्ड

बद्रीनाथ और केदारनाथ से मिल रहा आध्यात्मिक पर्यटन को बढ़ावा

सुरम्य उत्तरी राज्य उत्तराखण्ड अपने आध्यात्मिक महत्व और प्राकृतिक सुंदरता के लिए विश्व प्रसिद्ध है। यहां भक्तों और आगंतुकों को समान रूप से आकर्षित करने वाले विभिन्न स्थलों में से एक बद्रीनाथ और केदारनाथ है। यहां श्रद्धालु व भक्त शांति का अनुभव करने के लिए आते हैं। इन पवित्र स्थानों को पुनर्स्थापित करने और आध्यात्मिक पर्यटन के लिए यहां की संभावनाओं का सामने लाने के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने विशेष रुचि दिखाई है। उनके दिशा-निर्देशन व मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में पूरी समर्पण और प्रतिबद्धता से उत्तराखण्ड में परिवर्तनकारी कार्यों पर विशेष बल दिया जा रहा है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का उत्तराखण्ड के बद्रीनाथ और केदारनाथ के साथ गहरा संबंध को हम सबने देखा है। यह बात उनकी यात्राओं और इन प्रतिष्ठित तीर्थ स्थलों के उत्थान के लिए दूरदर्शी प्रयासों से स्पष्ट झलकता है। बाबा केदार के प्रति उनकी श्रद्धा, केदारनाथ धाम की समय-समय पर यात्राओं के माध्यम से प्रदर्शित होती है। यह इस क्षेत्र की आध्यात्मिक और सांस्कृतिक विरासत के प्रति उनके समर्पण को भी उजागर करती है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की महात्वकांक्षा बद्रीनाथ और केदारनाथ धाम को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बढ़ावा देकर उत्तराखंड को विश्व पटल पर लाने की है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के इस दृष्टिकोण का सबसे महत्वपूर्ण पहलू केदारनाथ धाम का पुनर्निर्माण है, जो प्रधानमंत्री के रूप में उनके कार्यकाल की शुरुआत से ही उनके दिल के करीब रहा है। 2013 की विनाशकारी बाढ़ के बाद केदारनाथ के पुनरुद्धार की आवश्यकता पर उन्होंने जोर दिया।

ऐसे में, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने यह सुनिश्चित किया कि पुनर्निर्माण ऐसा होना चाहिए, जिससे धाम की प्रतिभा और दिव्यता को पूर्ण रूप में प्रदर्शित किया जा सके। इसमें आदि गुरु शंकराचार्य की प्रतिमा के निर्माण से लेकर प्रगति का प्रत्यक्ष अवलोकन करने तक, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की रणनीति केदारनाथ की पवित्रता बनाए रखने के प्रति उनके समर्पण को दर्शाती है।

इसके अलावा, उत्तराखण्ड के आध्यात्मिक बुनियादी ढांचे के समग्र विकास को धरातल पर उतारने के लिए प्रधानमंत्री मोदी के रणनीतिक प्रयास अब केदारनाथ और उसके आगे के क्षेत्रों तक फैल चुके हैं। काशी विश्वनाथ कॉरिडोर की तर्ज पर बद्रीनाथ धाम मास्टर प्लान जैसी परियोजनाएं, बद्रीनाथ को एक स्मार्ट आध्यात्मिक पहाड़ी शहर में बदलने के प्रयास को दर्शाती हैं। दिल्ली-देहरादून आर्थिक कॉरिडोर और ऋषिकेश कर्णप्रयाग रेल परियोजना भी इन पवित्र स्थलों तक कनेक्टिविटी और पहुंच में सुधार प्रधानमंत्री के समर्पण को उजागर करती है। इन प्रयासों के चलते उत्तराखण्ड में आध्यात्मिक पर्यटन और तीर्थयात्रियों की संख्या में लगातार वृद्धि देखी जा रही है। ऑल वेदर रोड परियोजना, जिसे चारधाम सड़क परियोजना के रूप में भी जाना जाता है, यह उत्तराखण्ड के चार धामों को जोड़कर भक्तों और आगंतुकों के लिए निर्बाध यात्रा को संभव बनाने वाली एक महत्वपूर्ण योजना है। इसी तरह से ऋषिकेश-कर्णप्रयाग रेल परियोजना, अपनी उद्यमशीलता और सरल तकनीक के साथ केदारनाथ और आस-पास के क्षेत्रों तक पहुंच में सुधार करने के लिए संकल्पित है। केदारनाथ और बद्रीनाथ का महत्व जितना आध्यात्मिक है, उतना ही यह अपनी प्राकृतिक सौन्दर्यता के लिए भी विश्व स्तर पर श्रृद्धालुओं और प्रकृति प्रेमियों को आकर्षित करता है। हिमालय की बर्फ से ढकी चोटियों के बीच स्थित केदारनाथ 12 ज्योतिर्लिंगों में से एक के रूप में प्रसिद्ध है। यह प्रतिष्ठित चारधाम यात्रा का अहम पड़ाव भी है। यहां के आध्यात्मिक महत्व को बनाए रखने के साथ जुड़े पुनर्निर्माण उपायों ने केदारनाथ को उसका पुराना गौरव पाने में मदद की है, जिससे दुनिया भर से तीर्थयात्री आकर्षित होकर यहां आ रहे हैं।

उत्तराखण्ड के आध्यात्मिक महत्व को बनाए रखने के साथ केदारनाथ में पुनर्निर्माण कार्यों ने उसके पूर्व गौरव को बढ़ा दिया है, जो दुनिया भर से तीर्थ यात्रियों को राज्य की ओर आकर्षित कर रहा है

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा हाल ही में महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचा परियोजनाओं के उद्घाटन से केदारनाथ में नए विकास पर बल दिया जा रहा है। आदि गुरु शंकराचार्य की प्रतिमा के अनावरण से लेकर सरस्वती रिटेनिंग वॉल और तीर्थ पुरोहित घरों जैसी आवश्यक परियोजनाओं का उद्घाटन करने तक, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की यात्रा उत्तराखण्ड की आध्यात्मिक विरासत को बढ़ावा देने के लिए समर्पण का प्रतीक है। केदारनाथ के साथ उनका भावनात्मक जुड़ाव, उनकी सच्ची बातें श्रृद्धालुओं बीच गूंजती है और इन धार्मिक स्थानों के महत्व को विस्तार देती हैं।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा ऐसे उद्यमों का परिवर्तनकारी प्रभाव बुनियादी ढांचे के विकास से आगे बढ़ता है, जिससे उत्तराखण्ड में समावेशी विकास और पर्यटन को बल मिलता है। नीतिगत प्रोत्साहन और क्षेत्रीय प्राथमिकता, विशेष रूप से पर्यटन और नवीकरणीय ऊर्जा पर उनके फोकस ने उत्तराखण्ड को निरंतर विकास करने वाले अग्रणी राज्य के रूप में स्थापित किया है। बुनियादी ढांचे के विस्तार में राज्य की प्रगति और प्राकृतिक संसाधनों के उपयोग के प्रति उनके समर्पण ने न केवल अर्थव्यवस्था को बल दिया है, बल्कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर इसकी प्रतिभा का प्रदर्शन भी किया है। बद्रीनाथ और केदारनाथ में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अटूट आस्था ने उत्तराखण्ड में आध्यात्मिक पर्यटन के पुनरुद्धार को प्रेरित किया है। दूरदर्शी प्रयासों और नए विकास कार्यों के माध्यम से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने इन धार्मिक स्थानों को पुनर्स्थापित कर समृद्धि और विस्तार के एक नए युग की शुरुआत भी की है। प्रधानमंत्री ने कहा कि मैं हाल के वर्षों में हासिल की गई अविश्वसनीय उपलब्धियों के लिए उत्तराखण्ड सरकार को हार्दिक बधाई देता हूं। यह सराहनीय प्रगति पर्यटन और नवीकरणीय ऊर्जा जैसे उन्नत क्षेत्रों पर ध्यान देने के साथ रणनीतिक दृष्टिकोण का उदाहरण भी प्रस्तुत करती है। बुनियादी ढांचे के विकास में सुधार, सतत विकास के लिए बेहतर मानक स्थापित होते देखकर मुझे खुशी होती है। अपने प्राकृतिक संसाधनों और पर्यटन को बढ़ावा देने की दिशा में उत्तराखण्ड की रणनीति न केवल इसकी अर्थव्यवस्था को मजबूत करती है, बल्कि वैश्विक स्तर पर क्षमता को भी प्रदर्शित करती है। मैं समावेशी विकास को बढ़ावा देने के लिए राज्य के समर्पण की प्रशंसा करता हूं और आने वाले वर्षों में लगातार प्रगति की भी आशा करता हूं।

“ मैं पिछले कुछ वर्षों में हुई उल्लेखनीय प्रगति के लिए उत्तराखण्ड सरकार को बधाई देता हूं। ऐसा निरंतर नीतिगत प्रोत्साहन, पर्यटन और नवीकरणीय ऊर्जा जैसे प्रमुख क्षेत्रों पर ध्यान देने के चलते संभव हुआ है। इसके साथ ही, राज्य ने बुनियादी ढांचे के विकास में महत्वपूर्ण प्रगति की है और सतत विकास के लिए नए मानक स्थापित किए हैं। प्राकृतिक संसाधनों के साथ पर्यटन को बढ़ावा देने की उत्तराखण्ड की प्रतिबद्धता ने न केवल राज्य की अर्थव्यवस्था को मजबूती प्रदान किया है, बल्कि वैश्विक मंच पर क्षमता को भी प्रदर्शित किया है। मैं समावेशी विकास के प्रति राज्य के समर्पण की सराहना करता हूं और आने वाले वर्षों में निरंतर सफलता की आशा करता हूं।

नरेन्द्र मोदी, प्रधानमंत्री

वेडिंग डेस्टिनेशन के तौर पर उभर रहा उत्तराखण्ड

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दूरदर्शी मार्ग दर्शन में उत्तराखण्ड दुनिया के सबसे बेहतरीन वेडिंग डेस्टिनेशन में से एक बनकर उभर रहा है

देश के उत्तरी क्षेत्र में हिमालय की प्राकृतिक सुंदरता के बीच स्थित उत्तराखण्ड अपने आध्यात्मिक महत्व, सुंदर पहाड़ियों और समृद्ध सांस्कृति क विरासत के लिए जाना जाता है। इसे देवताओं की भूमि या 'देवभूमि' के रूप में भी जाना जाता है। यही कारण है कि उत्तराखण्ड श्रृद्धालुओं के लिए सबसे प्रतिष्ठित तीर्थ स्थलों में से एक के रूप में जाना जाता है। हालांकि, राज्य ने पिछले कुछ वर्षों में बड़े बदलाव देखे हैं, जो इसे एक आध्यात्मिक गंतव्य के तौर पर विकसित कर रहे हैं। इसके साथ ही हाल के वर्षों में डेस्टिनेशन वेडिंग काफी ट्रेंड में रही है और इस दिशा में भी उत्तराखण्ड किसी से पीछे नहीं है। यह प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दूरदर्शी मार्गदर्शन का ही परिणाम है कि उत्तराखण्ड डेस्टिनेशन वेडिंग के लिए सबसे तेजी से उभरते राज्यों में एक बनने की राह पर तेजी से आगे बढ़ रहा है। उत्तराखण्ड को सर्वश्रेष्ठ विवाह स्थल बनाने की प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का विचार राज्य की असीम संभावनाओं में उनके विश्वास को दर्शाता है। दिसंबर 2023 में देहरादून में उत्तराखण्ड ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट के उद्घाटन पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने युवाओं को 'वेड इन इंडिया' अभियान शुरु करने के लिए प्रोत्साहित किया था। इस दौरान उन्होंने संपन्न परिवारों से अपने विवाह के लिए उत्तराखण्ड को डेस्टिनेशन के रूप में चुनने का आह्वान किया था। अपनी प्राकृतिक सुंदरता और सांस्कृतिक विरासत के चलते उत्तराखण्ड एक आदर्श विवाह स्थल के रूप में तेजी से लोकप्रिय हो रहा है। नैनीताल की शांत झील से लेकर औली की बर्फ से ढकी पहाड़ियों तक राज्य का हर भू-भाग करिश्माई आकर्षण का अनुभव कराता है। जो लोग अपने विवाह को अविस्मणीय अनुभव देना चाहते हैं, वे अपने वैवाहिक समारोहों की मेजबानी टिहरी की शांत झील, मसूरी की खूबसूरत पहाड़ियों या हरिद्वार के प्राचीन मंदिरों में कर सकते हैं। जो बातें उत्तराखण्ड को शादियों के लिए एक अद्वितीय गंतव्य बनाती हैं,

वह न केवल इसके आश्चर्यजनक स्थल हैं, बल्कि इसकी समृद्ध विरासत और जीवंत संस्कृति भी है। राज्य में आयोजित होने वाली शादियां केवल एक समारोह से कहीं बढ़कर होते हैं। ऋषिकेश के आध्यात्मिक वातावरण से लेकर त्रियुगीनारायण की पवित्र ज्योति तक हर स्थान राज्य की सांस्कृतिक छवि की एक अनूठी झलक देखने को मिलती है। साथ ही, प्रधानमंत्री मोदी की धारणा एकजुटता के उत्सव से कहीं बढ़कर है। वह राज्य में डेस्टिनेशन वेडिंग को प्रोत्साहित करके स्थानीय अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाने और उत्तराखण्ड के लोगों के जीवन का स्तर बेहतर बनाने के लिए तत्पर हैं। इससे आगंतुकों की आमद और निवेश की संभावनाओं से रोजगार पैदा करने, बुनियादी ढांचे को समृद्ध बनाने और समग्र विकास को बढ़ावा देने में मदद मिलेगी।

डेस्टिनेशन वेडिंग के आयोजन के लिए उत्तराखण्ड में त्रियुगीनारायण, ऋषिकेश, जोशीमठ, शांति कुंज हरिद्वार, स्वर्ण मंदिर, चकराता, हर्षिल, देहरादून, कनाताल, मसूरी, औली, टिहरी झील, रामनगर, नरेंद्रनगर, ब्रह्मताल, नैनीताल, अल्मोड़ा, रानीखेत, भीमताल, रामगढ़, मुक्तेश्वर, रानीगढ़, नौकुचियाताल, और घोड़ा खाल आदि प्रसिद्ध स्थलों में शामिल हैं।

डेस्टिनेशन वेडिंग के लिए उत्तराखण्ड को सर्वोच्च प्राथमिकता देने का प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का दृष्टिकोण उन सभी चीजों को बढ़ावा देता है, जो इस राज्य को उन्नत बनाती हैं। उत्तराखण्ड पर्यटन के क्षेत्र में एक वैश्विक राज्य बनने के लिए पूरी तरह तैयार है। यहां पर्यटक, रोमांच और उत्तम राज्य की ओर आकर्षित हो रहे हैं क्योंकि उत्तराखण्ड सर्वोत्तम योगाभ्यास, रोमांचक खेल और सांस्कृतिक अनुभव प्रदान करता है।

धार्मिक वैभव को पुनर्जागृत करता मानसखंड मंदिर माला मिशन

'मानसखंड मंदिर माला मिशन' के हृदय स्थल के रूप में यहां के 48 पौराणिक मंदिरों को पुनर्जीवित और पुनर्स्थापित किया जा रहा है। इसमें कुमाऊं के विभिन्न जिलों में फैले 16 पौराणिक मंदिरों पर भी विशेष जोर दिया जा रहा है।

उत्तराखण्ड कई प्राचीन मंदिरों और पवित्र स्थलों की भूमि है। यही कारण है कि यह देवभूमि के रूप में विश्वविख्यात है। ये मंदिर कुमाऊं क्षेत्र में फैले हुए हैं और लंबे समय से आस्था और भक्ति के प्रतीक के रूप में लोगों के दिलों में बसे हैं। यहां दुनिया के विभिन्न हिस्सों से श्रद्धालुओं का आना लगा रहता है। उत्तराखण्ड की वादियों में स्थित ऐसे मंदिरों तक भक्तों और श्रद्धालुओं की पहुंच बनाने को लेकर धामी सरकार विशेष प्रयास कर रही है। प्रदेश के ऐसे कई धार्मिक स्थलों, जिनके बारे में भक्तों को ज्ञात नहीं है, उनकी भव्यता से साक्षात्कार कराने के लिए कनेक्टिविटी को बेहतर करने की दिशा में काम किए जा रहे हैं। उत्तराखण्ड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने इन मंदिरों के सांस्कृतिक और आध्यात्मिक महत्व को समझते हैं और मंदिरों के वास्तुशिल्प चमत्कारों को पुनर्स्थापित और पुनर्जीवित करने के लिए 'मानसखंड मंदिर माला मिशन' के तहत एक दूरदर्शी पहल शुरु की है। इस प्रयास का मूल 48 पौराणिक मंदिरों को पुनर्जीवित और पुनर्स्थापित करना है, जिसमें कुमाऊं क्षेत्र के विभिन्न जिलों में फैले 16 मंदिरों पर विशेष जोर दिया गया है। सैकड़ों वर्षों से आस्था का केंद्र रहे ये मंदिर अब बड़े परिवर्तन का साक्षी बनने को तैयार हैं, उनकी पहुंच और भव्यता में सुधार के लिए बुनियादी ढांचे में विकास की योजना बनाई गई है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी का विजन केवल भौतिक नवीनीकरण तक ही सीमित नहीं है, बल्कि इसमें एक समग्र रणनीति भी शामिल है, जिसमें उन्नत सड़क कनेक्टिविटी, आतिथ्य और आवास सेवाएं और संरक्षण जैसी बातें शामिल हैं।

गिरिजा देवी मंदिर

मानसखंड मंदिर माला मिशन के प्रतिष्ठित स्थलों तक सड़क कनेक्टिविटी में सुधार करने के लिए कार्य किया जा रहा है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी कहते हैं कि मानसखंड की परिकल्पना के तहत आने वाले जितने भी धार्मिक स्थल और पर्यटक स्थल हैं, उन्हें अच्छी कनेक्टिविटी देने पर हमारा ध्यान केंद्रित है। राज्य में तीर्थयात्रा और पर्यटन को बढ़ावा देने में निर्बाध परिवहन नेटवर्क की भूमिका अहम है। इन मंदिरों को जोड़ने वाली सड़कों के निर्माण को प्राथमिकता दी जा रही है। तीर्थयात्रा के दौरान सुविधा के साथ-साथ बेहतर सड़क व अन्य बुनियादी ढांचा के विकास से इन स्थलों में रहने वाले स्थानीय निवासियों के लिए भी आर्थिक संभावनाएं बनेंगी। पारंपरिक आध्यात्मिकता के साथ-साथ आधुनिक सुविधाओं का विकास मानसखंड मंदिर माला मिशन के लिए अहम है। मुख्यमंत्री धामी चाहते हैं कि यह कार्य सिर्फ बुनियादी ढांचे के विकास तक सीमित नहीं होने चाहिए, बल्कि इसके माध्यम से भक्तों और आगंतुकों को विशेष सुविधाएं प्रदान करना भी हमारी प्राथमिकताओं में शामिल है। इसके लिए आसपास के स्थानों के विस्तार और आतिथ्य सेवाओं के प्रावधान के लिए बजट का आवंटन किया गया है और यह पर्यटकों के लिए एक अविस्मरणीय और समृद्ध अनुभव सुनिश्चित करने की दिशा में उत्तराखण्ड सरकार की प्रतिबद्धता को भी उजागर करता है। इस कार्य को धरातल पर उतारने के लिए मुख्यमंत्री धामी ने जनवरी 2024 में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से मुलाकात की और उनसे मानसखंड मंदिर माला मिशन के काम पर समर्थन मांगा। बैठक में उन्होंने मानसखंड मंदिर माला मिशन के उद्देश्यों और अनिवार्यताओं पर प्रकाश डाला। इस मिशन की सफलता ने आवश्यक संसाधन जुटाने के उनके संकल्प को दर्शाया है। साथ ही, उत्तराखण्ड के आर्थिक और सांस्कृतिक परिदृश्य को बढ़ावा देने में भी इस पहल की महत्वता बढ़ने वाली है।

मानसखंड एक्सप्रेस

मानसखंड एक्सप्रेस मानसखंड मंदिर माला मिशन के तहत शुरू की जा रही एक विशेष ट्रेन सेवा है, जो कोलकाता को टनकपुर से जोड़ेगी। लंबी दूरी की इस ट्रेन की सेवा 15 अप्रैल से शुरु होने वाली है और यह कुमाऊं क्षेत्र के मंदिरों और देशभर के भक्तों के बीच एक मजबूत संबंध के रूप में कार्य करेगी। मानसखंड एक्सप्रेस स्थानीय और क्षेत्रीय परिवहन सेवाओं से युक्त होगी और आतिथ्य सेवा का सर्वोत्तम उदाहरण प्रस्तुत करेगी। इसके अलावा, राज्य की विरासत और सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित करने के लिए उत्तराखण्ड सरकार का अपने ऐतिहासिक स्थलों और मंदिरों के संरक्षण और उन्नति के लिए प्रतिबद्धता के साथ काम कर रही है। इसके लिए विरासत अधिनियम बनाने के उपाय किए गए हैं। मानसखंड मंदिर माला मिशन के तहत मान्यता प्राप्त 16 मंदिरों में से प्रत्येक के लिए अलग-अलग मास्टर प्लान तैयार किए गए हैं और इनके माध्यम से सरकार उनके संपूर्ण पुनरुद्धार कर रही है। एक सहकारी मिशन के तहत विभिन्न विभागों और प्रभागों का संगम इस प्रयास को आगे बढ़ा रहा है। जैसे-जैसे मानसखंड मंदिर माला मिशन गति पकड़ रहा है, यह न केवल धार्मिक स्थलों को पुनर्स्थापित करने बल्कि क्षेत्र के सामाजिक-आर्थिक विकास को भी सुनिश्चित कर रहा है। उत्तराखण्ड की परंपरा और आधुनिकता, आध्यात्मिकता और बुनियादी ढांचे के विस्तार का बेहतर संयोजन निश्चित रूप से उत्तराखण्ड के लिए मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के विजन को दर्शाता है। राज्य की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को आगे बढ़ाने के लिए मानसखंड मंदिर माला मिशन, देश के भविष्य को आकार देने के लिए दूरदर्शी नेतृत्व की क्षमता का एक भी अप्रतिम उदाहरण है।

बैजनाथ

बागनाथ मंदिर

गुरुद्वारा नानकमत्ता साहिब

जागेश्वर धाम मंदिर

कसार देवी मंदिर

डेस्टिनेशन उत्तराखण्ड

राज्य में निवेशकों के लिए बेहतर आयाम तैयार कर रही प्रदेश सरकार

पुष्कर सिंह धामी
मुख्यमंत्री, उत्तराखण्ड

नरेन्द्र मोदी
प्रधानमंत्री

पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देने की दिशा कदम बढ़ाते हुए उत्तराखण्ड सरकार ने सिंगल यूज़ प्लास्टिक के उपयोग पर प्रतिबंध लगा दिया है। हालांकि राज्य में प्लास्टिक के एक बार उपयोग के लिए कुछ नियम भी हैं।

सिंगल यूज प्लास्टिक पर बैन: नीतियों से स्थायी समाधान की ओर बढ़े

सिंगल यूज प्लास्टिक, चाहे वह किसी भी आकार का हो, मोटाई, माप और रंग के प्लास्टिक कैरी बैग (हैंडल के साथ या बिना) और पॉलीप्रोपाइलीन, थर्मोकोल (पॉलीस्टाइरीन), पॉलीयुरेथेन, स्टायरोफोम और इसी तरह के गैर-बुने हुए पॉली सिंगल यूज बैग; डिस्पोजेबल कटलरी या प्लास्टिक, जैसे प्लेट ट्रे, कटोरे, कप, गिलास, चम्मच, कांटे, स्ट्रॉ, चाकू, स्टिरर, आदि के उत्पादन, खरीद, बिक्री, आयात, भंडारण, उपयोग और आपूर्ति राज्य में पूरी तरह से प्रतिबंधित कर दी गई है। इतना ही नहीं, पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, केंद्र सरकार ने अपनी 12 अगस्त, 2021 की अधिसूचना में कहा है कि, 1 जुलाई 2022 से पॉलीस्टाइरिन के निर्माण, आयात, भंडारण, वितरण, बिक्री और उपयोग को पूरी तरह से प्रतिबंधित किया गया है।

सिंगल यूज प्लास्टिक उत्पादों के उपयोग, भण्डारण, विनिर्माण, क्रय-विक्रय पर प्रतिबन्ध लग जाने के बाद राज्य में इन उत्पादों के निर्माण से जुड़ी उत्पादन इकाइयों के कार्य पर बन्द हो गए हैं और यहां पर काम कर रहे लोगों के रोजगार भी पूरी तरह से प्रभावित हुए हैं। प्लास्टिक से जुड़े अपशिष्ट प्रदूषण को कम करने के उद्देश्य से और नवाचार व उद्यमिता के खत्म करने और एकल उपयोग प्लास्टिक के विकल्प के रूप मे वैकल्पिक उत्पादों के निर्माण को प्रोत्साहित करने के लिए एमएसएमई नीति-2015 (समय-समय पर संशोधित) में वित्तीय प्रोत्साहन की व्यवस्था की गई है। इस नीति को कैबिनेट ने भी मंजूरी दे दी है।

निवेश प्रोत्साहन को सहायता

वैकल्पिक उत्पाद विर्निर्माण नीति मे वित्तीय प्रोत्साहन उन उद्योगों को मिलेगा, जो सिंगल यूज प्लास्टिक के कारण बंद हुई है या प्रभावित हुई है। ऐसे उद्योगों को नया कारोबार शुरु करने के लिए अचल पूंजी निवेश पर 10 लाख रुपये टॉपअप निवेश प्रोत्साहन सहायता दी जाएगी।

ब्याज अनुदान या इंटरेस्ट सब्सिडी

वित्तीय संस्थान से लिए टर्म लोन या बैंक से लिये गये सावधि ऋण पर देय 01 लाख रुपये/वार्षिक/प्रति ईकाई और 02 लाख रुपये/वर्ष/प्रति ईकाई तक की अतिरिक्त ब्याज प्रतिपूर्ति सहायता सुनिश्चित की गई है।

एसजीएसटी की सब्सिडी

इस नीति से कई इकाइयां प्रभावित हुई हैं। उनके वैकल्पिक उत्पाद के विनिर्माण की दिशा में चल रहे उद्योगों के विविधीरण या नये उद्यम की स्थापना के लिए नए प्लांट और मशीनरी की खरीद पर लगने वाली जीएसटी से राज्य सरकार को जो लाभ प्राप्त होना है, उस पर 20 प्रतिशत की सब्सिडी प्रदान की जाएगी।

उपरोक्त सभी सुविधाओं का लाभ केवल उन्हीं इकाइयों को मिलेगा जो केंद्र/राज्य सरकार के प्रतिबंध आदेश के कारण प्रभावित या बंद हो गई हैं।

मेगा औद्योगिक नीतियों से उत्तराखण्ड के विकास को मिल रही गति

राज्य की अर्थव्यवस्था को आगे बढ़ाने के लिए पुष्कर सिंह धामी सरकार की ओर से विभिन्न क्षेत्रों मे उद्यमियों और उद्योगों को प्रोत्साहन दिया जा रहा हैं। ऐसा करके राज्य सरकार उत्तराखण्ड में उद्योगों की स्थापना पर जोर दे रही है

इस निवेश नीति के तहत परियोजनाओं को चार श्रेणियों में बांटा गया है। इनकों 7प्रतिशत ब्याज सब्सिडी और 50 प्रतिशत की एसजीएसटी रियायतें प्रदान की जा रही हैं। राज्य सरकार ने 30प्रतिशत रियायत वाली बड़ी परियोजनाओं को इस श्रेणी में शामिल नहीं किया है। यह चार श्रेणियां है:

- 50 करोड़ रुपये से 75 करोड़ रुपये के निवेश वाली बड़ी परियोजाएं
- 75 से 200 करोड़ रुपये के निवेश वाली मेगा परियोजनाएं
- 200 से 400 करोड़ रुपये के निवेश वाली अल्ट्रा मेगा परियोजनाएं
- 400 करोड़ रुपये से अधिक निवेश वाली सुपर अल्ट्रा मेगा परियोजनाएं उत्तराखण्ड सरकार बिजली से जुड़ी रियायतों की सुविधा औद्योगिक क्षेत्रों को दे रही है। उद्योगों को उत्पादन शुरु होने से पांच साल की अवधि के लिए बिजली बिल पर 1/- रुपये प्रति यूनिट की प्रतिपूर्ति की जाती है।

जैव प्रौद्योगिकी नीति के तहत टेक्नोलॉजी व बौद्धिक संपदा (इंटेलेक्चुअल प्रॉपर्टी) से संचालित नए उत्पादों, प्रक्रियाओं या सेवाओं को उन्नतशील बनाया जा रहा है। इसमे नवाचार, विकास, प्लानिंग व व्यावसायीकरण पर ध्यान केंद्रित किया जा रहा है। प्रदेश सरकार का ध्यान मेगा फूड पार्कों (एमएफपी) और उनमें स्थापित इकाइयों पर भी है।

- पांच साल के लिए 6 प्रतिशत ब्याज सब्सिडी (अधिकतम 4 लाख रुपये तक)।
- जमीन की खरीद पर स्टैंप ड्यूटी में 100 प्रतिशत की छूट और लीज पर संपत्ति लेना।
- खाद्य प्रसंस्करण इकाइयों के लिए सिंचाई बिजली की दर 1.55/यूनिट निर्धारित की गई है।
- पांच वर्ष की अवधि तक कच्चे माल पर मंडी शुल्क पर 100प्रतिशत छूट।

एक जिला, दो उत्पाद

से मिला स्थानीय उत्पादों को प्रोत्साहन

उत्तराखण्ड सरकार ने अक्टूबर 2021 में 'एक जिला, दो उत्पाद' योजना को शुरू किया। इसका उद्देश्य स्थानीय उत्पादों को बढ़ावा देना और हर जिले में निवासियों के लिए स्वरोजगार के अवसर पैदा करना है

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में वोकल फॉर लोकल से राज्य में स्थानीय स्तर पर रोजगार (पैकेजिंग, टेस्टिंग, लॉजिस्टिक्स में) पैदा होगा और निर्यात बढ़ेगा।

प्रधानमंत्री ने पर्यटकों से स्थानीय उत्पादों को खरीदने के लिए कुल खर्च का कम से कम 5प्रतिशत खर्च करने का आग्रह किया है। एक जिला, दो उत्पाद के तहत हर जिले के लिए विशिष्ट स्थानीय उत्पादों को पहचान कर उसे विकसित किया जाएगा। योजना का उद्देश्य राज्य के पारंपरिक विनिर्माण और शिल्प उद्योग को बढ़ावा देना है और उन्हें राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाना है। साथ ही, यह हमारे स्थानीय किसानों, कारीगरों, शिल्पकारों आदि के लिए रोजगार के अवसर भी पैदा करेगा। उत्पादों को आधुनिक तकनीक, कौशल और डिजाइन के माध्यम से बाजार की मांग के आधार पर विकसित किया जाएगा।

ट्वीड, बाल मिठाई (अल्मोड़ा); तांबे व कीवी आधारित उत्पाद (बागेश्वर); हथकरघा एवं कारपेट, गुलाब जल (चमोली); लौह शिल्प उत्पाद, शहद (चंपावत); बेकरी उत्पाद, मशरूम (देहरादून); गुड़ और शहद (हरिद्वार); ऐपण क्राफ्ट, फल प्रसंस्करण (नैनीताल); ऊनी कारपेट, मुनस्यारी राजमा (पिथौरागढ़); वुडन क्राफ्ट, हर्बल उत्पाद (पौड़ी); मंदिर अनुकृति हस्तशिल्प, चौलाई आधारित उत्पाद (रुद्रप्रयाग); पनीर, टिहरी नथ (टिहरी गढ़वाल); मेंथा आयल, मूँज घास उत्पाद (ऊधमसिंह नगर); लाल चावल, सेब से बने उत्पाद (उत्तरकाशी)।

उत्तराखण्ड की लॉजिस्टिक नीति-2023 के प्रमुख बिन्दु

पात्र गतिविधियां

- लॉजिस्टिक पार्क, इनलैंड कन्टेनर डिपो, वेयरहाउस, ट्रक टर्मिनल, लॉजिस्टिक वाहन, कोल्ड स्टोरेज आदि।
- ईको लॉजिस्टिक या ग्रीन लॉजिस्टिक/ टेक्नोलॉजी लॉजिस्टिक सुविधाओं का विकास।

वित्तीय प्रोत्साहन

- परियोजना लागत पर 10 से 25 प्रतिशत तक वित्तीय प्रोत्साहन।
- 50 करोड़ रुपये तक की परियोजना लागत पर अधिकतम 08 करोड़ रुपये, 50 करोड़ रुपये से 150 करोड़ रुपये तक के परियोजना लागत पर अधिकतम 24 करोड़ रुपये व 150 करोड़ रुपये से अधिक परियोजना लागत पर अधिकतम 32 करोड़ रुपये तक का अनुदान।
- वेयरहाउसिंग सुविधा के लिए पर्वतीय क्षेत्र में न्यूनतम 2.50 करोड़ रुपये निवेश के साथ 5000 वर्गफुट क्षेत्रफल और मैदानी क्षेत्र में न्यूनतम 05 करोड़ रुपये के निवेश के साथ 10000 वर्गफुट क्षेत्रफल की आवश्यकता।
- ट्रक टर्मिनल के लिए न्यूनतम 5 करोड़ रुपये निवेश के साथ 45,000 वर्गफुट भूमि की आवश्यकता।
- कोल्ड स्टोरेज के लिए न्यूनतम क्षेत्रफल 5000 वर्गफुट।

सूचना एवं लोक सम्पर्क विभाग, उत्तराखण्ड द्वारा जनहित में जारी | www.uttarainformation.gov.in | DIPR_UK | UttarakhandDIPR | UttarakhandDIPR

सम्पादकीय

भाजपा का नया प्रयोग

भाजपा केंद्रीय हाई कमानने आज अपनी दूसरी सूची जारी कर दी जिस्म जहां एक और उत्तराखंडकी दो सीटों पर प्रत्याशी घोषित किए गए तो वहीं एक दिन पूर्व ही हरियाणा के मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा देने वाले मनोहर लाल खट्टर को भी टिकट दिया गया है। उत्तराखंड के परिपेक्ष में देखें तो हरिद्वार एवं पौड़ी लोकसभा सीट पर सीट पर प्रत्याशी के नाम की प्रतीक्षा की जा रही थी। जहां एक तरफ यह पहले ही तय था कि पौड़ी गढ़वाल संसदीय सीट से पूर्व मुख्यमंत्री तीरथ सिंह रावत के स्थान पर इस बार पूर्ण राज्यसभा सांसद अनिल बलूनी को बीजेपी प्रत्याशियों बनाने जा रही है तो वहीं हरिद्वार सीट को लेकर जरूर संशय की स्थिति बनी हुई थी। हरिद्वार सीट से वर्ष 2019 में डॉ रमेश पोखरियाल "निशंक" सांसद के तौर पर चुने गए थे। इसी दौरान उन्हें केंद्र में महत्वपूर्ण मानव संसाधन मंत्रालय भी मिला, लेकिन बाद में उनसे मंत्रालय वापस ले लिया गया। इधर उत्तराखंड के विधान सभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी की जीत के बाद मुख्यमंत्री के दावेदारों की सूची में डॉ0 निशंक का भी सुर्खियों में रहा, हालांकि बाद में केंद्रीय हाई कमान ने पुष्कर सिंह धामी के नाम पर मोहर लगाई। इधर लोकसभा चुनाव 2024 की तैयारी शुरू हुई तो डॉक्टर निशंक की हरिद्वार सीट पर दावेदारी भी भी डांवाडोल होने लगी। मुख्य तौर पर पौड़ी एवं हरिद्वार सीट पर शुरुआत से ही प्रत्याशियों के नाम को लेकर कयासबाजियां लगनी शुरू हो गई थी। पूर्व मुख्यमंत्री त्रिवेंद्र सिंह रावत हरिद्वार सीट पर चुनाव लड़ना चाहते थे और इसके लिए उन्होंने प्रयास भी शुरू कर दिए। केंद्रीय संगठन एवं संघ से उनकी नजदीकियों का उन्हें लाभ मिला और भी हरिद्वार संसदीय सीट के प्रबल दावेदार डॉ निशंक के स्थान पर टिकट हासिल करने में कामयाब रहे। एक लंबे समय से डॉ. निशंक उत्तराखंड राज्य एवम केंद्र की राजनीति में सत्ता से जुड़े रहे हैं, लेकिन अब टिकट कटने पर अब वर्ष 2024 के चुनाव के बाद उनकी राजनीति की दिशा किस करवट बैठेगी इस पर पूरे प्रदेश की नजर रहेगी। डॉ निशंक को टिकट न मिलना उत्तराखंड की राजनीति के लिए बड़ा फैसला है, लेकिन जिस प्रकार से केंद्रीय संगठन भाजपा अपनी सूची जारी कर रही है उसके बाद यह स्पष्ट हो रहा है कि भाजपा अब नए चेहरों पर बाजी लगाकर भविष्य की दिशा निर्धारित कर रही है।

सूची घोषित करती कांग्रेस और सेंध लगाती भाजपा

अरुण पटेल

लोकसभा चुनाव में 400 पार की जुगत करने के लिए जहां भाजपा अपने सहयोगियों की संख्या बढ़ाती जा रही है तो वहीं दूसरी ओर कांग्रेस नेताओं का पलायन भी भाजपा की ओर उसी तेजी से हो रहा है। पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी की न्याय यात्रा जहां-जहां से गुजर रही है वहां भी कोई न कोई बड़ा कांग्रेस नेता भाजपा में शामिल हो रहा है। मध्यप्रदेश में भी मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और प्रदेश भाजपा अध्यक्ष विष्णुदत्त शर्मा कांग्रेस के बड़े-बड़े नेताओं को अपनी पार्टी में शामिल करने का अभियान छेड़े हुए हैं ताकि कांग्रेस को मैदान के साथ ही मनोवैज्ञानिक शिकस्त भी दें तथा कांग्रेस नेताओं व कार्यकर्ताओं में जो हार की हताशा से उबरने की कोशिश कर रहे हैं फिर नैराश्य की वादियों में खो जायें। फिलहाल तो छत्तीसगढ़ में कोई दलबदल अभी तक नहीं हुआ है लेकिन लोकसभा चुनाव के चलते इसकी संभावना को नकारा भी नहीं जा सकता क्योंकि भाजपा ऐन केन प्रकारेण कांग्रेस को राजनीतिक फलक पर अप्रासंगिक करने की मुहिम छेड़े हुए है। लेकिन इसके साथ ही कांग्रेस के उन कार्यकर्ताओं व नेताओं में उम्मीद भी जाग रही है कि अब उन्हें अपनी पार्टी में कुछ मौका मिल जाये जिन्हें नेताओं की गणेश परिक्रमा न करने के कारण कोई मौका नहीं मिल पाता था। कांग्रेस ने 39 उम्मीदवारों की जो पहली सूची जारी की है उसमें छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री रहे भूपेश बघेल और अभी तक सबको चुनाव लड़ाने वाले और राज्यसभा के माध्यम से सांसदी का लाभ लेने वाले के. सी.वेणुगोपाल को भी अब लोकसभा चुनाव लडना होगा। इस प्रकार कुछ और कांग्रेस नेताओं की अग्नि परीक्षा अब चुनाव में हो सकती है जो अभी तक चुनाव से बचते रहते थे।

मध्यप्रदेश में कांग्रेस के एक बड़े नेता पूर्व केंद्रीय मंत्री और पूर्व प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष सुरेश पचौरी ने आज अपने अधिकांश समर्थकों के साथ भाजपा में प्रवेश कर लिया है। जो लोग भाजपा में शामिल हुए हैं उनमें इंदौर के पूर्व कांग्रेसी विधायक विशाल पटेल, संजय शुक्ला और पूर्व सांसद गजेंद्र सिंह राजूखेड़ी, समाजवादी पार्टी के पूर्व विधायक और अब कांग्रेस नेता बने अर्जुन पलिया, पाठ्य पुस्तक निगम के अध्यक्ष रहे आलोक चंसोरिया, भोपाल नगर पालिक निगम के सभापति रहे कैलाश मिश्रा तथा योगेश शर्मा, अतुल शर्मा, सुभाष यादव, दिनेश ढिमोले, जसपाल सिंह अरोरा शामिल हैं। इस अवसर पर सुरेश पचौरी ने कहा कि भगवान श्रीराम जी की प्राण प्रतिष्ठा का आयोजन हो रहा था जिसके निमंत्रण पत्र को अमर्यादित भाषा का इस्तेमाल कर जब ठुकरा दिया गया तब मुझे आघात पहुंचा, मैं अयोध्या में राम मंदिर का पक्षधर आरंभ से रहा हूं, निमंत्रण पत्र को अस्वीकार करने की आवश्यकता नहीं थी। मैं स्वामी शंकराचार्य स्वरुपानंद का दीक्षित शिष्य हूं मुझे तत्कालीन प्रधानमंत्री राजीव गांधी ने भेजा कि जाओ शंकराचार्य जी से पूछ कर आओ कि क्या करना है, तो उन्होंने कहा कि अयोध्या में शिलान्यास हो और मंदिर बने। सितम्बर 1999 में राजीव जी ने जवाब दिया कि तदानुसार काम हो फिर हम तत्कालीन गृहमंत्री बूटासिंह के साथ गये और वहां शिलान्यास किया। वहां अशोक सिंघल जी भी थे, फिर अब निमंत्रण पत्र अस्वीकार करने की आवश्यकता कहां से पड़ गयी। राम मंदिर का ताला खुलना, शिलान्यास होना किसके कार्यकाल में हुआ यह बोला जा सकता था।

भाजपा में उपरोक्त नेताओ को शामिल करने के अवसर पर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि आज का दिन वास्तव में एक नया इतिहास बनने जा रहा है। वैसे तो सबको आहट थी कि जहां-जहां राहुल गांधी जाते हैं वहां कांग्रेस के काम करने के तरीके का असर आता है। अच्छे स्थापित स्वच्छता के साथ राजनीति करने वाले, मन की भावनाओं के आधार पर काम करने वाले नेता हर दल के अंदर होते हैं लेकिन साफ-सुथरी राजनीति करने वालों को काम करने की अनुकूलता देना, मौका देना, यह नेतृत्व पर निर्भर करता है। यह दुर्भाग्य की बात है कि कांग्रेस का नेतृत्व ऐसे स्वच्छता व साफ सोच के साथ राजनीति करने वाले नेता जो देश के विकास के लिए राजनीति करते हैं ऐसे लोगों को निराश करता है, ऐसे में कोई भी स्वाभिमानी व्यक्ति कांग्रेस के लिए काम नहीं करना चाहेगा। मैं तो कहूंगा कि राहुल गांधी दो-तीन यात्राएं और निकालें क्योंकि अभी जहां-जहां राहुल गांधी जाते हैं वहां-वहां कांग्रेस साफ होती जा रही है। डॉ. यादव ने कहा कि महात्मा गांधी की भावना को सही साबित करने का काम राहुल गांधी कर रहे हैं, महात्मा गांधी ने कहा था कि आजादी के बाद कांग्रेस को भंग कर देना चाहिए। पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान का कहना था कि आज की घटना मध्यप्रदेश की राजनीति की असाधारण घटना है। सुरेश पचौरी जी के संस्कारों का मैं आरंभ से ही कायल था। वह दो-दो पीएम के साथ रहे लेकिन उनके दामन में एक भी दाग नहीं लगा, जिन पदों पर उन्होंने काम किया वहां उन्होंने एक अलग छाप छोड़ी। कांग्रेस का दुर्भाग्य है कि वह एक दिशाहीन नेता के नेतृत्व में काम कर रही है। यह अदभुत समय है जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के पीछे पूरा हिंदुस्तान खड़ा है, पचौरीजी मेरे सीनियर रहे हैं, मैं उनका जूनियर रहा हूं। अब साथ काम करने का मौका मिलेगा।

राम वन पथ गमन का विकास

डॉ. मोहन यादव के मुख्यमंत्री बनने के साथ ही राम वन पथ गमन के विकास में गति आ गयी है। पहले आरंभ में शिवराज सिंह चौहान की सरकार में जोरशोर से राम पथ गमन का काम आरंभ हुआ था, लेकिन फिर उसकी गति कुछ धीमी हो गई। बाद में एक प्रकार से वहां नाममात्र के काम ही हुए। लेकिन डेढ़ दशक बाद जब कमलनाथ के नेतृत्व में कांग्रेस सरकार बनी तब उन्होंने फिर से इसकी सुध ली और काम में तेजी आई। डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व संभालने के साथ ही राम वन पथ गमन के जो काम हो रहे थे उनमें तेजी आ गयी और इसके विकास की जिम्मेदारी सात विभागों को दे दी गयी है। लोकसभा चुनावों के बाद ये विभाग पूरे विकास कार्यों का ब्लू प्रिंट तैयार करेंगे। पहले चरण में चित्रकूट और अमरकंटक को लिया जायेगा जिसका मास्टर प्लान बनेगा ताकि इन शहरों को सुव्यवस्थित बनाया व बसाया जा सके। धार्मिक पर्यटन के लिए विशेष सुविधायें उपलब्ध कराई जायेंगी। राम वन पथ गमन का विकास, केंद्र सरकार की ईको पर्यटन योजना से किया जायेगा। प्रदेश से पंचायत एवं ग्रामीण विकास, वन, नगरीय प्रशासन, धर्मस्व, संस्कृति, पर्यटन, जल संसाधन, राजस्व, नवीन एवं नवकरणीय ऊर्जा तथा लोक निर्माण विभाग सहयोग करेंगे। मध्यप्रदेश के हिस्से वाले चित्रकूट का विकास मध्यप्रदेश सरकार करेगी और इसके लिए चित्रकूट को जिला भी बनाया जा सकता है। मध्यप्रदेश सरकार चित्रकूट में अंतर्राष्ट्रीय रामलीला कराने पर विचार कर रही है, इसके साथ ही दीपावली के समय विभिन्न तरह के उत्सव व धार्मिक आयोजन किए जायेंगे। त्यौहारों के उत्सव का काम संस्कृति विभाग करेगा। ग्रामीण विकास व पर्यटन विभाग घाटों का विकास करेगा। मंदाकिनी घाट का विकास ये दोनों विभाग करेंगे। जल संसाधन विभाग मंदाकिनी की धारा को अविरल बनाने का काम करेगा। नदी के ऊपर बने चेक डेम से पानी छोड़ने पर और बारिश के पानी को छोटे डेमो से रोकने का काम किया जायेगा। वन विभाग औषधि वन लगाने का काम करेगा। चित्रकूट और अमरकंटक में औषधि वन तैयार करने का काम वन विभाग को सौंपा गया है। वन विभाग इन क्षेत्रों में पाये जाने वाले औषधि पौधों का संरक्षण करेगा।

और यह भी

सुरेश पचौरी ने कहा है कि हमें कैलाश विजयवर्गीय से मंत्र सीखना है कि चुनाव लड़ें तो जीता कैसे जाता है। मेरा ध्येय समाज सेवा और राष्ट्र सेवा का था। आज जातिवाद की बात हो रही है इससे जाति संघर्ष बढ़ रहा है। पिछले दिनों से जो राजनीतिक व धार्मिक निर्णय कांग्रेस में हो रहे हैं वह दुखी करने वाले हो रहे हैं। कांग्रेस महामंत्री डॉ. रवि सक्सेना ने ट्वीटर के माध्यम से प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि कांग्रेस ने जिन्हें दोनों हाथों से भरपूर मान-सम्मान और पद-प्रतिष्ठा दी उन्होंने ही की गद्दारी, भाजपा में एक दिन की चांदनी फिर अंधेरी रात, इन्होंने मिटा दी अपनी खुद्दारी।

संदेह की वजहें हैं

अनुमान लगाया जा सकता है कि नए निर्वाचन आयुक्तों को लेकर कई तरह के कयास लगाए जाएंगे। कुल नतीजा निर्वाचन आयोग की साख में और क्षरण के रूप में सामने आएगा। जब देश आम चुनाव के मुहाने पर है, तब ऐसा माहौल सिरे से अवांछित है।

जिन हालात में निर्वाचन आयुक्त अरुण गोयल ने अचानक अपने पद से इस्तीफा दिया, उससे शक पैदा होने की ठोस वजहें हैं। जिस फुर्ती से उनके इस्तीफे को स्वीकार किया गया, उससे अटकलों को और बल मिला है। इस बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने निर्वाचन आयुक्तों की नियुक्ति करने वाली समिति की बैठक पहले से बुला रखी है। अब इसमें संभवतः दो आयुक्तों की नियुक्ति का फैसला होगा। इस समिति का गठन हाल ही में पारित कानून के तहत किया गया है। इस कानून के जरिए सुप्रीम कोर्ट की तरफ से स्थापित की गई नियुक्ति प्रक्रिया को रद्द कर दिया गया।

अगर सुप्रीम कोर्ट के आदेश के मुताबिक चयन समिति बनती, तो उसमें प्रधानमंत्री के अलावा भारत के प्रधान न्यायाधीश और लोकसभा में सबसे बड़े दल के नेता शामिल होते। लेकिन अब इसमें प्रधान न्यायाधीश की जगह प्रधानमंत्री द्वारा नियुक्त उनकी ही सरकार के एक मंत्री होंगे। इस तरह इसी हफ्ते निर्वाचन आयुक्त के खाली पदों पर सत्ता पक्ष की मर्जी से दो नियुक्तियां हो जाएंगी। खबरों में बताया गया है कि गोयल के मुख्य निर्वाचन आयुक्त राजीव कुमार से कुछ मुद्दों पर मतभेद उभर गए थे। मगर मतभेदों के कारण नौकरशाही के बड़े स्तरों पर इस्तीफे होते हों, यह सामान्य नहीं है।

खासकर यह देखते हुए गोयल वही शख्स हैं, जिन्हें नवंबर 2022 में केंद्रीय उद्योग विभाग के सचिव पद से स्वैच्छिक अवकाश ग्रहण करने के एक दिन बाद ही निर्वाचन आयुक्त बना दिया गया था। सुप्रीम कोर्ट ने इस नियुक्ति पर सख्त टिप्पणियां की थीं। तब यही कहा गया था कि सरकार ने अपने एक विश्वस्त व्यक्ति को आयोग में रखने के लिए मर्यादाओं का उल्लंघन किया है। अब अगर वही व्यक्ति निर्वाचन आयोग से औचक इस्तीफा देकर चला गया, तो संदेह कुछ ज्यादा ही गहरा हो जाता है। इस बीच आयोग में नियुक्तियां होंगी। अनुमान लगाया जा सकता है कि उनको लेकर विपक्षी दायरों में कई तरह के कयास लगाए जाएंगे। कुल नतीजा निर्वाचन आयोग की साख में और क्षरण के रूप में सामने आएगा। जब देश 18वें आम चुनाव के मुहाने पर है, तब ऐसा माहौल सिरे से अवांछित है।

पुर्तगाल में भी धुर-दक्षिण

धुर-दक्षिण एजेंडे के लिए पुर्तगाल में बढ़े समर्थन को वर्तमान यूरोपीय परिघटना का हिस्सा माना जा रहा है। दूसरे विश्व युद्ध के बाद से पूरे यूरोप में लोकप्रिय रही सोशल डेमोक्रेटिक पार्टियों का शासन अब 27 सदस्यीय यूरोपियन यूनियन के सिर्फ चार देशों में बचा है।

पुर्तगाल में अपेक्षा के मुताबिक ही सोशलिस्ट पार्टी के हाथ से सत्ता निकल गई है। लेकिन दक्षिणपंथी डेमोक्रेटिक एलांयस भी निर्णायक जीत हासिल नहीं कर पाया है। इन दोनों पार्टियों को मिले वोट प्रतिशत में मामूली अंतर है। 1974 में तानाशाही की समाप्ति के बाद पुर्तगाल में ऐसी स्थिति पहली बार बनी है, जब देश की दोनों प्रमुख पार्टियां अपने सहयोगी दलों को साथ लेकर भी सरकार बनाने की सूरत में नहीं है। यह सूरत धुर-दक्षिणपंथी/ नव-नाजीवादी पार्टी चेगा (बहुत हो चुका) के समर्थन आधार में तेजी से हुई बढ़ोतरी के कारण पैदा हुई है। चेगा को 2019 के चुनाव में 1.7 प्रतिशत वोट मिले थे। 2022 में उसे सात प्रतिशत वोट मिले। इस बार के मध्यावधि चुनाव में उसने 18 फीसदी मत हासिल कर लिए हैं। इन वोटों के आधार पर 230 सदस्यीय संसद में उसे 46 सीटें प्राप्त हो जाएंगी। इस पार्टी का प्रमुख एजेंडा आव्रजन, समलैंगिकता एवं महिला अधिकार विरोध है। इस एजेंडे के लिए पुर्तगाल में बढ़े समर्थन को आम तौर पर इस समय जारी यूरोपीय परिघटना का हिस्सा माना जा रहा है। इसी अनुपात में सोशल डेमोक्रेटिक पार्टियों का आधार क्षीण हुआ है।

अब हालात ऐसे हैं कि दूसरे विश्व युद्ध के बाद से पूरे यूरोप में लोकप्रिय रही सोशल डेमोक्रेटिक पार्टियों का शासन 27 सदस्यीय यूरोपियन यूनियन के सिर्फ चार देशों में बचा है। उनमें भी स्पेन में सोशलिस्ट पार्टी की सरकार बमुश्किल टिकी हुई है। जबकि आम अनुमान है कि जर्मनी में अगले आम चुनाव में सोशल डेमोक्रेटिक पार्टी (एसपीडी) को भारी नुकसान झेलना होगा। इसीलिए आम समझ है पुर्तगाल के ताजा नतीजों से यूरोप में धुर-दक्षिणपंथ का कारवां आगे बढ़ा है। इसका असर नौ जून को होने वाले यूरोपीय संसद के चुनाव में देखने को मिल सकता है, जिसमें विभिन्न देशों में धुर दक्षिणपंथी पार्टियों को बड़ी सफलता मिलने का अनुमान लगाया जा रहा है। घटनाक्रम का कुल सार यह है कि समृद्धि और आम संपन्नता का दौर गुजरते ही यूरोप के बहुचर्चित कल्याणकारी ढांचे की चूलें हिलने लगी हैं। इस महाद्वीप पर भी (डॉनल्ड) ट्रंप परिघटना का साया हर रोज अधिक गहराता जा रहा है।

आर्टिकल 370 की घटी कमाई, लाखों में सिमटा कलेक्शन

यामी गौतम की आर्टिकल 370 को दर्शकों ने भरपूर प्यार दिया है. इस पॉलिटिकल ड्रामा की तारीफ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी की थी इसके बाद से को फिल्म को लेकर दर्शकों में और ज्यादा एक्साइटमेंट बढ़ गई थी. वहीं जब ह्यआर्टिकल 370ह्न सिनेमाघरों में पहुंची तो इसने ऑडियंस का दिल जीत लिया और इसी के साथ इस फिल्म ने खूब कारोबार भी किया. यहां तक कि हालिया रिलीज अजय देवगन की ह्यशैतानह्न के तूफान के आगे भी ह्यआर्टिकल 370ह्न बेखौफ होकर करोड़ों में कलेक्शन कर रही है. चलिए यहां जानते हैं फिल्म ने रिलीज के 18वें दिन यानी तीसरे सोमवार को कितना कारोबार किया है ह्यआर्टिकल 370ह्न को सिनेमाघरों में रिलीज हुए अब तीसरा हफ्ता चल रहा है. कश्मीर में अनुच्छे 370 हटाने की घटना पर बेस्ड इस फिल्म ने रिलीज के पहले दिन से बॉक्स ऑफिस पर अपनी पकड़ मजबूत कर ली और इसी के साथ ये खूब कमाई भी कर रही है. बेहद कम बजट में बनी इस फिल्म ने अपनी लागत से कई गुना ज्यादा कमाई कर ली है और रिलीज के तीसरे हफ्ते में भी इसका तूफानी कलेक्शन जारी है.फिल्म की कमाई की बात करें तो आर्टिकल 370 ने 5.9 करोड़ से ओपनिंग की थी और इसके पहले हफ्ते का कलेक्शन 35.6 करोड़ रुपये रहा. वहीं दूसरे हफ्ते में ह्यआर्टिकल 370ह्न ने 22.3 करोड़ की कमाई की. अब ये फिल्म रिलीज के तीसरे हफ्ते है.

जहां इसने रिलीज के 15वें दिन यानी थर्ड फ्राइडे को 1.65 करोड़ का कलेक्शन किया तो वहीं तीसरे शनिवार फिल्म ने 66.67 फीसदी के उछाल के सात. 2.75 करोड़ की कमाई की. वहीं थर्ड संडे फिल्म ने 23.64 फीसदी की तेजी दिखाते हुए 3.4 करोड़ रुपए कमाए. वहीं अब इस फिल्म की रिलीज के तीसरे सोमवार की कमाई के शुरुआती आंकड़े आ गए हैं.सैकनिल्क की अर्ली ट्रेंड रिपोर्ट के मुताबिक आर्टिकल 370 ने रिलीज के 18वें दिन यानी तीसरे सोमवार को 0.85करोड़ की कमाई की. इसके बाद आर्टिकल 370 का 18 दिनों का कुल कलेक्शन अब 66.55 करोड़ रुपये हो गया है.

बॉक्स आफिस पर लापता लेडीज की संघर्ष जारी

फिल्म लापता लेडीज के जरिए किरण राव ने लंबे समय बाद निर्देशक के रूप में वापसी की है।फिल्म को समीक्षकों के साथ दर्शकों की अच्छी प्रतिक्रिया मिली है। इसकी कहानी और तमाम कलाकारों की अदाकारी की भी खूब तारीफ हो रही है।बावजूद इसके बॉक्स ऑफिस पर यह फिल्म उम्मीद के मुताबिक प्रदर्शन नहीं कर सकी। फिल्म धीमी रफ्तार से आगे बढ़ रही है।अब लापता लेडीज की कमाई के 11वें दिन के आंकड़े सामने आ गए हैं।

बॉक्स ऑफिस ट्रैकर सैकनिल्क के मुताबिक, लापता लेडीज ने रिलीज के 11वें दिन 21 लाख रुपये का कारोबार किया, जिसके बाद इसका कुल बॉक्स ऑफिस कलेक्शन 8.96 करोड़ रुपये हो गया है।टिकट खिडक़ी पर लापता लेडीज का मुकाबला अजय देवगन की शैतान और यामी गौतम की आर्टिकल 370 से हो रहा है।इनके अलावा शाहिद कपूर और कृति सैनन की फिल्म तेरी बातों में ऐसा उलझा जिया भी पिछले चार सप्ताह से बॉक्स ऑफिस पर राज कर रही है।

लापता लेडीज की कहानी घूंघट की आड़ में 2 नई नवेली दुल्हनों की अदला-बदली पर आधारित है।

इंडियन वेल्स के क्वार्टर फाइनल में पहुंचे अलकराज और सिनर

इंडियन वेल्स, मौजूदा चैंपियन स्पेन के कालीस अलकराज ने फ़ैबियन मारोज़ान पर 6-3, 6-3 से जीत हासिल की और पिछले साल रोम में मिली हार का बदला भी लिया। साथ ही एटीपी मास्टर 1000 इवेंट के क्वार्टर फाइनल में अपनी जगह पक्की की।

सेकंड सीड ने एटीपी मास्टर्स 1000 स्तर पर अपनी 50वीं मैच जीत हासिल की और 24 वर्षीय फ़ैबियन को एक रोमांचक मुकाबले में एक घंटे और 15 मिनट में हराकर अंतिम आठ में अपनी जगह बनाई।

सातवें गेम में अलकराज की सर्विस टूटने से पहले दोनों ने बराबरी पर शुरुआत की। फ़ैबियन मैच में पहले दो ब्रेक प्वाइंट बचाने में कामयाब रहे लेकिन स्पैनियार्ड ने शानदार कमबैक किया। ऐसे कई मौके आए जहां दोनों खिलाडियों के बीच कड़ी टक्कर हुई, लेकिन अंत में बाजी अलकराज के नाम रही।

अब दो बार के ग्रैंड स्लैम चैंपियन का अगला मुकाबला जर्मनी के अलेक्जेंडर ज्वेरेव से होगा, जिन्होंने उन्हें ऑस्ट्रेलियन ओपन क्वार्टर फाइनल में चार सेट से हराया था।

दूसरी ओर जननिक सिनर ने अपना सर्वश्रेष्ठ 2024 सीजन जारी रखा और घरेलू पसंदीदा बेन शेल्टन के खिलाफ 7-6(4), 6-1 की जीत के साथ इंडियन वेल्स क्वार्टर फाइनल में पहुंचकर अपनी जीत का सिलसिला 18 मैचों तक बढ़ा दिया।

सिनर का अगला मुकाबला 32वीं वरीयता प्राप्त चेक खिलाड़ी जिरी लेहेकम से क्वार्टरफाइनल में होगा, जिन्होंने स्टेफानोस सितसिपास को 6-2, 6-4 से हराकर अपने पहले मास्टर्स क्वार्टरफाइनल में प्रवेश किया।

आईपीएल इतिहास में पीयूष चावला के गेंदों पर पड़े हैं सर्वाधिक छक्के

नईदिल्ली, इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) का आगाज 22 मार्च को चेन्नई सुपरकिंग्स और रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर के बीच होने वाले मैच से होगा।इसके साथ ही दर्शकों को फिर से चौको-छक्कों की बारिश देखने को मिलेगी।इस प्रारूप में गेंदबाजों विशेषकर स्पिनरों के सामने सबसे बड़ी चुनौती छक्कों से बचने की होती है। आईपीएल इतिहास में सर्वाधिक छक्के मुंबई इंडियंस के स्पिनर पीयूष चावला की गेंदों पर पड़े हैं।आइए उनके आंकड़े जानते हैं। पीयूष आईपीएल इतिहास में 200 छक्के खाने वाले पहले गेंदबाज हैं। उनके खिलाफ अब तक 201 छक्के पड़ चुके हैं।सूची में रविंद्र जडेजा और पीयूष (193-193) दूसरे, रविचंद्रन अश्विन (184) तीसरे, अमित मिश्रा (182) चौथे, ड्वेन ब्रावो (155) 5वें और सुनील नरेन (149) छठे नंबर पर हैं।

अभिनेता थ्रिगुन की तेलुगु-कन्नड़ द्विभाषी लाइनमैन का ट्रेलर रिलीज

तमिल और तेलुगु सिनेमा में अपने बहुमुखी अभिनय के लिए प्रसिद्ध अभिनेता थ्रिगुन अपनी आगामी फिल्म लाइनमैन के साथ कन्नड़ फिल्म उद्योग में एक भव्य प्रवेश करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। वी रघु शास्त्री के कुशल निर्देशन में, यह द्विभाषी उद्यम न केवल कन्नड़ दर्शकों के लिए है, बल्कि साथ ही तेलुगु फिल्म उद्योग में भी अपनी पहचान बनाएगा। लाइनमैन की कथात्मक पृष्ठभूमि दिलचस्प ढंग से मांड्या के देहाती इलाकों पर आधारित है, जो इस क्षेत्र के लोकाचार में गहराई से निहित एक कहानी का वादा करती है।हाल ही में रिलीज हुए

फिल्म के फर्स्ट लुक और मोशन पोस्टर ने सभी को प्रभावित किया. आज निर्माताओं ने फिल्म के नाटकीय ट्रेलर का अनावरण किया। ट्रेलर की शुरुआत जूनियर लाइनमैन नटराज के परिचय से होती है; गाँव वाले उसे नट्ठू कहते हैं। थ्रिगुन को पावर स्टार के संदर्भ में पेश किया गया है।

यह गांव के विचित्र चरित्रों का परिचय देता है। थ्रिगुन के लिए उनके प्रफुल्लित करने वाले प्रश्न बहुत हंसी लाते हैं। गर्भवती महिलाओं की एक हजार से अधिक डिलीवरी कराने वाली देवुदम्मा का 100वां जन्मदिन मनाने के लिए पूरा गांव एक साथ आता है। गांव ने बुनियादी बातों पर लौटते हुए, चार लोगों की जान बचाने के लिए बिजली के बिना रहने का फैसला किया।

उमेश यादव हैं आईपीएल इतिहास में सर्वाधिक प्लेयर ऑफ द मैच अवार्ड जीतने वाले तेज गेंदबाज

नईदिल्ली, इंडियन प्रीमियर लीग के 17वें संस्करण का रोमांच 22 मार्च से शुरू होने जा रहा है।इस प्रारूप में वैसे तो बल्लेबाजों का पलड़ा भारी रहता है, लेकिन गेंदबाज भी कई बार चौंकाने वाले प्रदर्शन कर सबको चौंका देते हैं।इस साल गुजरात टाइटंस का हिस्सा बने तेज गेंदबाज उमेश यादव ने भी कई चौंकाने वाले प्रदर्शन किए हैं।यही कारण है कि वह आईपीएल इतिहास में सर्वाधिक प्लेयर ऑफ द मैच अवार्ड जीतने वाले तेज गेंदबाज हैं।

उमेश ने आईपीएल इतिहास में सर्वाधिक 10 बार प्लेयर ऑफ द मैच अवार्ड अपने नाम किए हैं।सूची में मुंबई इंडियंस के जसप्रीत बुमराह (8) दूसरे, लसिथ मलिंगा, आशीष नेहरा और जयदेव उनादकट (6-6) संयुक्त रूप से तीसरे पायदान पर हैं।इसी तरह ढ्ढक्करु में सबसे ज्यादा बाद यह अवार्ड जीतने का रिकॉर्ड एबी डिविलियर्स के नाम हैं, उन्होंने 25 बार यह कारनामा किया है। सूची में क्रिस गेल (22) दूसरे और रोहित शर्मा (19) तीसरे नंबर पर हैं।

उमेश ने 2010 में आईपीएल करियर का आगाज किया था। वह अब तक 141 मैच की 140 पारियों में 136 सफलताएं प्राप्त कर चुके हैं।इस दौरान उनकी औसत 30.04 की और इकॉनमी 8.38 की रही है। 4/23 लीग में उनके सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजी आंकड़े हैं।उन्होंने आईपीएल में 3 बार 4 विकेट लने का कारनामा किया है।वह इस लीग में अब तक दिल्ली कैपिटल्स , रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर और कोलकाता नाइट राइडर्स का प्रतिनिधित्व कर चुके हैं।

डेस्टिनेशन उत्तराखण्ड

राज्य में निवेशकों के लिए बेहतर आयाम तैयार कर रही प्रदेश सरकार

पुष्कर सिंह धामी
मुख्यमंत्री, उत्तराखण्ड

नरेन्द्र मोदी
प्रधानमंत्री

देवभूमि में विकास को साकार करती डबल इंजन सरकार

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विजन को आधार बनाते हुए, मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के कुशल नेतृत्व में, उत्तराखण्ड विकास के नए मानक गढ़ रहा है। राज्य सरकार औद्योगिक विकास को गति देने के लिए एमएमएमई पर विशेष ध्यान देते हुए आगे बढ़ रही है

देश को आत्मनिभर बनाने के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा किए गए लोकल विनिर्माण के मंत्र को मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने निवेश के लिए आधार बनाया है। सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों को प्रोत्साहन देने की दिशा में उत्तराखण्ड सरकार के 'एमएसएमई नीति 2015' पर जोर दिया है। यह नीति समावेशी रोज़गार सृजन में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। इसका उद्देश्य स्थानीय संसाधनों का उपयोग करना है। विशेष रूप से पहाड़ी क्षेत्रों में रोजगार के अवसर पैदा करना और स्वरोजगार को बढ़ावा देना है। नीति प्रोत्साहनों के साथ एमएनएमई अन्य सहायताओं के लिए व्यापक पैकेज प्रदान करती है। यह नीति 30 जून, 2023 तक प्रभावी रहेगी। 31 जनवरी, 2015 से पहले स्थापित उद्यम, जो यूनिट विस्तार/आधुनिकीकरण/विविधीकरण (स्थायी पूँजी निवेश पर 25प्रतिशत से अधिक के अतिरिक्त के माध्यम से) के दौर से गुजर रही हैं, वह पूंजी निवेश सब्सिडी के लिए भी पात्र होंगे। उन्हें योजना के अधीन ब्याज अनुदान और स्टाम्प शुल्क में छूट मिलेगी। राजकोषीय प्रोत्साहन की सीमा तय करने के लिए राज्य के विभिन्न क्षेत्रों का वर्गीकरण किया गया है। प्रोत्साहन/सब्सिडी की मात्रा के उद्देश्य से राज्य को पांच श्रेणियों में विभाजित किया गया है।

एसजीएसटी की प्रतिपूर्ति
श्रेणी ए के लिए तैयार उत्पाद की बी2सी बिक्री पर इनपुट टैक्स क्रेडिट के समायोजन के बाद एसजीएसटी की प्रतिपूर्ति पहले 5 वर्षों के लिए 100 प्रतिशत और उसके बाद 90 प्रतिशत है और श्रेणी बी और बी$ के लिए पहले 5 वर्षों के लिए 100 प्रतिशत और उसके बाद 75 प्रतिशत

श्रेणी ए के लिए भूमि के विक्रय विलेख/पट्टा विलेख के पंजीकरण पर स्टाम्प शुल्क की रियायत 100 प्रतिशत है: श्रेणी बी और बी$ के लिए 100 प्रतिशत है: श्रेणी सी 100 प्रतिशत है: और श्रेणी डी के लिए 50 प्रतिशत है

श्रेणी	शामिल क्षेत्र
श्रेणी ए	पिथौरागढ़, उत्तरकाशी, चमोली, चंपावत, रुद्रप्रयाग और बागेश्वर के पूरे जिले
श्रेणी बी	अल्मोड़ा का पूरा जिला जनपद पौड़ी गढ़वाल, टिहरी गढ़वाल के समस्त पर्वतीय विकासखण्ड (श्रेणी बी$ के तहत क्षेत्रों को छोडकर) जनपद नैनीताल एवं देहरादून के समस्त पर्वतीय विकास खण्ड। (श्रेणी बी$ के तहत क्षेत्रों को छोड़कर)
*श्रेणी बी+	जिला पौड़ी गढ़वाल के दुगड्डा विकासखण्ड के कोटद्वार, सिंगढी और आसपास के मैदानी क्षेत्र जिला टिहरी गढ़वाल के फकोट विकासखण्ड के ढलवाला, मुनि की रेती, तपोवन एवं आसपास के मैदानी क्षेत्र नैनीताल जिले को कोटाबाग विकासखण्ड जनपद देहरादून के कालसी विकासखण्ड के मैदानी क्षेत्र
श्रेणी सी	रायपुर, सहसपुर, विकासनगर और डोईवाला विकासखण्ड में समुद्र तल से 650 मीटर से ऊपर स्थित क्षेत्र देहरादून जिले के ब्लॉक जनपद नैनीताल के रामनगर एवं हल्द्वानी विकासखण्ड
श्रेणी डी	हरिद्वार और उधमसिंह नगर के पूरे जिले जनपद देहरादून एवं नैनीताल का शेष क्षेत्र (जो श्रेणी बी, बी+ एवं सी में शामिल नहीं है)

राजकोषीय प्रोत्साहन और अनुदान

निवेश प्रोत्साहन सहायता (पूंजीगत अनुदान); संयंत्र एवं मशीनरी तथा कारखाने के निर्माण/कार्य पर स्थायी पूंजी निवेश पर सहायता (पूंजीगत अनुदान) स्वीकार्य होगी। श्रेणी-ए के लिए 40 प्रतिशत (अधिकतम 40 लाख रुपये तक); श्रेणी बी और बी:+ के एिल 35 प्रतिशत (अधिकतम 35 लाख रुपये तक); श्रेणी सी के लिए 30 प्रतिशत (अधिकतम 30 लाख रुपये तक); और श्रेणी डी के लिए 15 प्रतिशत (अधिकतम 15 लाख रुपये तक)।

*पूंजी निवेश सब्सिडी केवल एक स्त्रोत से उपलब्ध होगी, जिसमें केन्द्र सरकार या राज्य सरकार द्वारा प्रायोजित पूंजी निवेश सब्सिडी योजनाओं से मदद मिलगी।

सूचना एवं लोक सम्पर्क विभाग, उत्तराखण्ड द्वारा जनहित में जारी | www.uttarainformation.gov.in | DIPR_UK | UttarakhandDIPR | UttarakhandDIPR

कोटद्वार में अक्टूबर में होगी अग्निवीर भर्ती रैली

डीएम डॉ. आशीष चौहान बैठक में अधिकारियों को निर्देश देते हुए।

जयन्त प्रतिनिधि।पौड़ी : एनआईसी कक्ष में प्रस्तावित अग्निवीर भर्ती रैली की तैयारी को आयोजित बैठक में जिलाधिकारी डॉ. आशीष चौहान ने लैंसडौन के सेना और संबंधित विभाग के अफसरों को भर्ती रैली में समन्वय बनाकर काम करने के निर्देश दिए। कहा कि कोटद्वार में अग्निवीर भर्ती रैली आगामी अक्तूबर में आयोजित की जाएगी। उन्होंने भर्ती रैली के लिए सभी व्यवस्थाएं तय समय पर पूरी करने के निर्देश दिए। कहा कि जो भी आवश्यक कार्य किये जाने हैं उनका प्लान पूर्व में ही तैयार कर लिया जाए। कहा कि पिछली अग्निवीर भर्ती रैली के तहत ही इस बार भी भर्ती प्रक्रिया की जाएगी। बैठक में एएसपी अनूप काला, सीएफओ आरएस खाती, सैनिक कल्याण अधिकारी करन सिंह, फूड सेफ्टी अधिकारी अजब सिंह रावत, स्वास्थ्य विभाग से डॉ. अमित मेहरा आदि शामिल रहे।

विधायक ने मोटर मार्ग के सुधारीकरण कार्य का शिलान्यास

जयन्त प्रतिनिधि।

पौड़ी : लंबे समय से बदहाली की मार झेल रहे पौड़ी-देवप्रयाग मोटरमार्ग के सुधारीकरण होने से जहां लोगों को सड़क सुविधा का लाभ मिलेगा। वहीं, कोठी से लीधारी सड़क मार्ग निर्माण से कई गांव को सड़क से जुड़ेगें।

बुधवार को विधायक राजकुमार पोरी ने कोट ब्लाक के कोठी में आयोजित कार्यक्रम में इस मोटरमार्ग के सुधारीकरण कार्य का शिलान्यास किया। साथ ही कोठी से लीधारी सड़क मार्ग के प्रथम चरण के कार्य का भी शिलान्यास किया गया।

इस मौके विधायक राजकुमार पोरी ने कहा कि जहां पौड़ी-देवप्रयाग मोटरमार्ग के सुधारीकरण से देहरादून आवागमन में लोगों को सहूलियत मिलेगी तो वहीं, कोठी से लीधारी सड़क मार्ग निर्माण से कई गांव को सड़क सुविधा का लाभ मिलेगा।

इस मौके पर ब्लाक प्रमुख कोट पूर्णिमा नेगी, ग्राम प्रधान गजपाल सिंह, अधिशासी अभियंता लोनिवि दिनेश बिजल्वाण, माधवी कन्नौजिया, हरीश पंवार आदि शामिल रहे।

डिजिटल इलेक्ट्रॉनिक्सः सिद्धांत और प्रयोग पुस्तक का हुआ विमोचन

श्रीनगर गढ़वाल।हेमवती नंदन बहुगुणा गढ़वाल विवि में चिप्स फॉर विकसित भारत कार्यक्रम के दौरान डिजिटल इलेक्ट्रॉनिक्स, सिद्धांत और प्रयोग पुस्तक का विमोचन किया गया।

बुधवार को गढ़वाल विवि के स्वामी मनमंथन प्रेक्षागृह में हुए कार्यक्रम में विवि की कुलपति प्रो. अन्नपूर्णा नौटियाल ने पुस्तक का विमोचन किया। यह पुस्तक डॉ. विजय सिंह विष्ट, अरूण शेखर बहुगुणा, स्कूल ऑफ़ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी तथा डॉ. सुनील सेमवाल, तुलाज इंस्टीट्यूट देहरादून द्वारा लिखी गयी गई है।

गढ़वाल विवि की कुलपति प्रो. अन्नपूर्णा नौटियाल ने शिक्षकों की सराहना करते हुए कहा कि यह पुस्तक इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग, इंस्ट्रूमेंटेशन इंजीनियरिंग, कंप्यूटर विज्ञान और इंजीनियरिंग के स्नातक तथा भौतिक विज्ञान के स्नातकोतर एवं डिप्लोमा के विद्यार्थियों के लिए उपयोगी सिद्ध होगी। इस अवसर पर प्रति कुलपति प्रो. आरसी भट्ट, चौरास परिसर निदेशक प्रो.सीएम शर्मा, संकायाध्यक्ष विज्ञान प्रो. आरसी भट्ट, संकायाध्यक्ष इंजीनियरिंग प्रो. एमपी थपलियाल, डीएसडब्लू प्रो. एमएस नेगी, प्रो. एमएमएस रौथाण, प्रो. एनएस पंवार, प्रो. वाईपी रैवानी, डॉ. प्रीतम नेगी, डॉ. वाईपी पुंडीर, कुलदीप कुमार, प्रदीप मल्ल, विकास देव नेगी आदि उपस्थित थे।

जन जागरूकता रैली निकालकर किया जागरूक

श्रीनगर गढ़वाल : राजकीय मेडिकल कॉलेज श्रीनगर के नेत्र विभाग की ओर से विश्व ग्लूकोमा सप्ताह के तहत जन जागरुकता रैली निकालकर नुक्कड़ नाटक का मंचन किया गया। बुधवार को मेडिकल कॉलेज के नेत्र विभाग की ओर से ग्लूकोमा के प्रति जागरूकता रैली निकाली गई। साथ ही एमबीबीएस द्वितीय वर्ष के छात्र-छात्राओं ने नुक्कड़ नाटक का मंचन कर ग्लूकोमा के कारण, बचाव और इलाज के बारे में बताया। इस अवसर पर डॉ. सुरेंद्र सिंह ने ग्लूकोमा जागरुकता सप्ताह और इसके महत्व के बारे में बताया। जबकि नेत्र रोग विभागाध्यक्ष डॉ. अच्युत नारायण पांडे ने ग्लूकोमा के उपचार एवं बचाव पर विस्तार से प्रकाश डाला। डॉ. पांडे ने आंख में किसी समस्या होने पर अपनी मर्जी से आई ड्रॉप न खरीदने बल्कि नेत्र रोग विशेषज्ञ के पास जाने की अपील की।बताया कि गलत दवा से ग्लूकोमा आंखों को और नुकसान पहुंचा सकता है।

बसपा का चुनावी कार्यालय खुला

जयन्त प्रतिनिधि। सतपुली : लोकसभा चुनाव को लेकर नगर पंचायत सतपुली में बहुजन समाजवादी पार्टी ने अपना विधानसभा कार्यालय खोल दिया है। बुधवार को बसपा के जिलाध्यक्ष रमेश चंद्र भदौड़िया की अध्यक्षता में कार्यालय का विधिवत शुभारंभ हुआ। इस दौरान सभी ने लोकसभा चुनावों में एकजुट होकर कार्य करने का शपथ ली। कहा कि महंगाई को थामना और युवाओं को रोजगार मुहैया कराना, धर्म की राजनीति करने वालों के बहकावे से आम जनता को बचाना पार्टी का ध्येय है। इस दौरान बसपा के जिला संयोजक सोनू कुमार, उपाध्यक्ष जगपाल सिंह रावत, महासचिव सुनील कुमार, सचिव परवीन कुमार, कोषाध्यक्ष भारतेन्दु डोभाल आदि मौजूद रहे।

सेमीकन्डक्टर का ज्ञान युवाओं के आवश्यकः वीसी

श्रीनगर गढ़वाल : हेमवती नंदन बहुगुणा गढ़वाल विवि में इंडियाज टेक-ेडः चिप्स फॉर विकसित भारत कार्यक्रम के तहत हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के उद्बोधन को छात्र-छात्राओं और शिक्षकों ने संयुक्त रूप से सुना। बुधवार को गढ़वाल विवि के कुलपति प्रो. अन्नपूर्णा नौटियाल के नेतृत्व में स्वामी मनमंथन प्रेक्षागृह में कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

विवि की कुलपति प्रो. अन्नपूर्णा नौटियाल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में हमारा देश विकसित भारत बनने की दिशा में अग्रसर है। इंडियाज टेकेडः चिप्स फॉर विकसित भारत जैसे कार्यक्रमों में सामूहिक भागीदारी करके विवि युवाओं को प्रेरित कर रहा है। कहा कि भारत की जनता आज प्रौद्योगिकी का भरपूर उपयोग कर रही है और सेमीकंडक्टर की खपत लगातार बढ़ रही है।

गोदियाल को लोकसभा प्रत्याशी घोषित करने पर आतिशबाजी कर मनाई खुशी

श्रीनगर गढ़वाल : श्रीनगर गढ़वाल कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने लोकसभा चुनाव 2024 में पूर्व विधायक एवं पूर्व प्रदेश अध्यक्ष गणेश गोदियाल को गढ़वाल लोकसभा का प्रत्याशी घोषित होने पर स्थानीय गोला बाजार में आतिशबाजी और मिठाई वितरण कर शीर्ष नेतृत्व का आभार व्यक्त किया। कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने कहा कि स्थानीय लोगों में भी आस जगी है कि स्थानीय मुद्दों के साथ-साथ महंगाई, बेरोज़गारी, अग्निवीर भर्ती, अंकिता हत्याकांड और महिला सुरक्षा जैसे मुद्दों को जनता की आवाज बनकर गणेश गोदियाल संसद में रख कर उनकी पैरवी करेंगे। इस अवसर पर पीसीसी सदस्य वीरेंद्र सिंह नेगी, कांग्रेस नगर अध्यक्ष सूरज घिल्डियाल, कांग्रेस सेवादल के अध्यक्ष संजय कुमार, विनोद मैठाणी, सुरेन्द्र सिंह चौहान,परवेज अहमद,विजय रावल,विपिन रावत, जगदीश भट्ट,सुधांशु नौडियाल, अमित भट्ट, पुष्पेन्द्र पंवार , सतीश पटवाल, शमीम अहमद, रघुवीर प्रसाद, मीना रावत, बसन्ती जोशी, अंजू भट्ट, सुधा तिवाड़ी, हिना खान, साइमा खान, पुष्पा देवी, कुसुमलता, बबीता आदि मौजूद थे। (एजेंसी)

उत्तर मध्यमा द्वितीय वर्ष के छात्रों को दी विदाई

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ी : ब्रिगेडियर विद्याधर जुयाल संस्कृत विद्यालय भुवनेश्वरी में उत्तरमध्यमा द्वितीय वर्ष (इंटर) के छात्रों का विदाई समारोह गुरुकुल की परंपरा के अनुसार धूमघाम से मनाया गया। इन बालकों को इनके माता मिता बचपन में ही गुरु के सानिध्य में छोड़ जाते हैं और वहीं ये शिक्षा को ग्रहण करते हैं। विदाई समारोह में सभी छात्र बड़े भावुक हुए। सभी ने अपने इतने सालों के अनुभव साझा करे। विदाई समारोह के अवसर पर स्कूल के प्रधानाचार्य अनुसूया प्रसाद सुंद्रियाल ने सभी छात्रों को अनुशासन को नियमित दिनचर्या में शामिल करने की बात कही।

संघ ने प्रधानाचार्य सीधी भर्ती का शासनादेश व विज्ञप्ति की प्रतियां जलाई

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ी : राजकीय शिक्षक संघ ने राजकीय माध्यमिक स्कूलों में प्रधानाचार्य सीधी भर्ती पर विज्ञापन जारी होने पर रोष जताया है। संघ ने शिक्षा विभाग में प्रधानाचार्य सीधी भर्ती का शासनादेश व विज्ञप्ति की प्रतियां जलाई और अपर शिक्षा निदेशक माध्यमिक गढ़वाल मंडल के माध्यम से शिक्षामंत्री को ज्ञापन भेजा। संघ के पदाधिकारियों ने कहा कि 1 मार्च 2024 को प्रधानाचार्य पदों पर विभागीय सीधी भर्ती परीक्षा हेतु जारी विज्ञापन को निरस्त करते हुए पूर्व की भांति विभागीय वरिष्ठता के आधार पर किया जाय।

बुधवार को प्रधानाचार्य सीधी भर्ती के शासनादेश व विज्ञप्ति की प्रतियां जलाते हुए संघ के जिलाध्यक्ष बलराज सिंह गुसाईं ने कहा कि संगठन द्वारा पूर्व में भी नियमावली का विरोध किया गया था, लेकिन सरकार द्वारा इस पर विज्ञप्ति जारी कर दी गई है। जिसका संगठन पुरजोर विरोध करता है। संरक्षक जयदीप रावत ने कहा कि इसमें शिक्षकों के एक बड़े वर्ग एलटी को वंचित रखा गया है, जो कि न्याय संगत नहीं है और भविष्य में यदि प्रधानाचार्य पदों पर शतफीसदी पदोन्नतियां नहीं की गई है या एलटी को सम्मिलित नहीं किया गया तो संगठन को मजबूर होकर कड़े कदम उठाने पड़ेंगे।

दिग्विजय के कांस्य पदक जीतने पर खुशी

नई टिहरी।औली में चल रही ओपन राष्ट्रीय विंटर गेम्स चैंपियनशिप में भारतीय सेना की तरफ से खेल रहे घनसाली के लाल दिग्विजय सिंह भंडारी ने स्कीइंग में कांस्य पदक जीत कर सेना के साथ ही क्षेत्र का नाम रोशन किया है। दिग्विजय की इस उपलब्धि पर घनसाली विधायक शक्ति लाल शाह सहित क्षेत्र के लोगों ने हर्ष व्यक्त किया है। पट्टी ग्यारह गांव के ग्राम पंचायत जाख कोटी के साधारण परिवार में जन्मे दिग्विजय सिंह भंडारी के पिता धर्मेन्द्र सिंह भंडारी एक विद्यालय में कार्यरत हैं। जबकि उनकी मां पूनम भंडारी एक गृहणी हैं। दिग्विजय सिंह भंडारी वर्ष 2012 में भारतीय सेना के गढ़वाल राइफल में भर्ती हुए और 2014 में स्कीइंग ज्वाइन की। इसके बाद उन्होंने वर्ष 2018 में विंटर एशियन गेम्स में ईरान के दरबंदर में आयोजित स्कीइंग प्रतियोगिता में भी सेना की तरफ से हिस्सा लिया है। जबकि 2019 एवं 2020 में जम्मू कश्मीर के गुलमर्ग में खेलो इंडिया नेशनल विंटर गेम्स में भी भारतीय सेना की ओर से खेला है।

चौथे दिन जारी रहा सड़क के लिए लोगों का धरना

नई टिहरी।सत्रह साल बीतने के बाद भी जाजल–शिवपुरी मोटर मार्ग न बनने से नाराज ग्रामीणों का धरना चौथे दिन जारी रहा।

चौथे दिन ग्रामीणों के धरने को प्रधान संगठन की प्रदेश प्रवक्ता पुष्पा रावत ने अपना समर्थन देकर जल्द सड़क निर्माण की मांग उठाई। जाजल में बुधवार को भी जारी धरने में संघर्ष समिति के अध्यक्ष और ग्राम प्रधान दिनेश राणा ने कहा कि जाजल–शिवपुरी सड़क बीच में बंद हो गई है। जिससे इस सड़क का लाभ ग्रामीणों को नहीं मिल पा रहा है। सड़क जब तक पूरी बनेगी तभी सड़क से लगे गांवों का विकास हो पाएगा। धरने में बड़ी संख्या में महिलाएं भी पहुंच रही हैं। महिलाओं का कहना है कि क्षेत्र के विकास के लिए सड़क जरूरी है। इसलिए महिलाएं आंदोलन में शामिल होने पहुंच रहीं हैं। बताया कि समिति के जरिए पिछले कई सालों से मार्ग निर्माण के लिए सरकार को अवगत कराया गया है, उस पर कोई सुनवाई नहीं हुई। मजबूरन ग्रामीणों को धरने पर बैठना पड़ रहा है। पूर्व जिला पंचायत सदस्य अनिल भंडारी ने आरोप लगाया कि ग्रामीणों की मांग पर गौर नहीं किया जा रहा है। सड़क बनने से चार पट्टियों में दोगी, धारा क्रिया, ध्यानस्यू और कुंजणी के दर्जनों गांव लाभान्वित होंगे। धरने पर पीतांबर, मर्ति राम, अनिल भंडारी, विजय लक्ष्मी आदि बैठे।

नई टिहरी में दिव्यांगों को बांटे उपकरण

नई टिहरी।ग्रामीण क्षेत्र विकास समिति (राड्स) रानीचौरी की पहल पर जिला मुख्यालय नई टिहरी में 40 से अधिक दिव्यांगों को उपकरण वितरित किए गये। कार्यक्रम का भाजपा जिलाध्यक्ष राजेश नौटियाल और विशिष्ठ अतिथि एडीएम केके मिश्रा ने शुभारंभ किया। बुधवार को चंबा ब्लॉक के तहत जिला मुख्यालय नई टिहरी में आयोजित उपकरण वितरण कार्यक्रम को संबोधित करते हुए भाजपा जिलाध्यक्ष राजेश नौटियाल ने कहा कि दिव्यांगों के लिए केंद्र व राज्य सरकार की विभिन्न योजनायें संचालित हैं। जिनका लाभ प्रत्येक दिव्यांग को दिया जा रहा है। एडीएम केके मिश्रा ने कहा कि सभी दिव्यांग लोकसभा चुनाव में पूरी तत्परता से मतदान करें।

मुख्यमंत्री धामी के भव्य रोड शो में उमड़ा जन सैलाब

जयन्त प्रतिनिधि। चमोली : मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी, बुधवार को एक दिवसीय चमोली दौरे पर गोपेश्वर पहुंचे। उन्होंने गोपेश्वर बस स्टेशन से पुलिस मैदान तक आयोजित विशाल रोड शो में प्रतिभाग किया। मुख्यमंत्री के रोड शो में अपार जन सैलाब उमड़ा। जगह-जगह भारी संख्या में उनके चाहने वालों की भीड़ देखने को मिली। लोगों ने पुष्प वर्षा करते हुए उनका भव्य स्वागत किया। मुख्यमंत्री ने रोड शो में शामिल सभी लोगों का आभार जताया। इस अवसर पर राज्यसभा सांसद महेन्द्र भट्ट, गढ़वाल सांसद तीरथ सिंह रावत, विधायक अनिल नौटियाल, विधायक भूपाल राम टम्टा सहित बड़ी संख्या स्थानीय लोग मौजूद रहे।

सीएम धामी ने 229.31 करोड़ की योजनाओं का लोकपर्ण एवं शिलान्यास कर दी विकास की सौगात

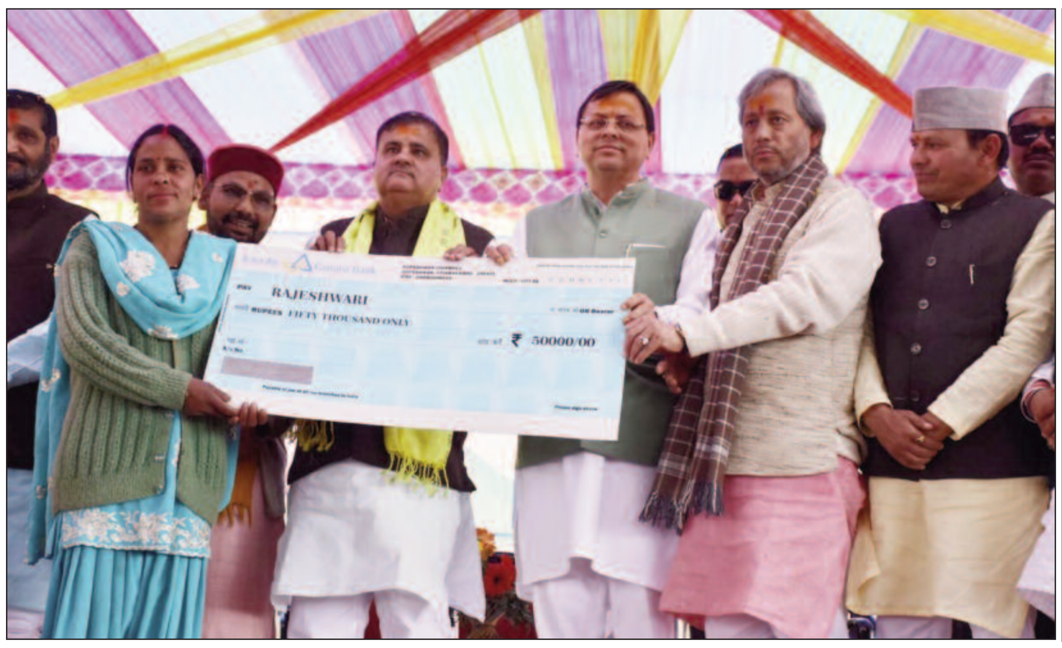

जयन्त प्रतिनिधि।

चमोली : मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने बुधवार को जनपद चमोली के पुलिस मैदान गोपेश्वर में आयोजित ''लाभार्थी सम्मान समारोह'' में प्रतिभाग करते हुए 229.3 करोड़ की विभिन्न विकास योजनाओं का लोकापर्ण एवं शिलान्यास किया। जिसमें 44.13 करोड़ की योजनाओं का लोकापर्ण एवं 185.17 करोड़ की योजनाओं का शिलान्यास शामिल है।मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने भगवान गोपीनाथ की पवित्र धरा गोपेश्वर को नमन करते हुए कहा कि स्थानीय लोगों का जनसैलाब, मेरे लिए किसी प्रेरणा से कम नहीं है। आम जन के आशीर्वाद, उत्साह और उमंग से उन्हें और अधिक काम करने की प्रेरणा मिलती है। उन्होंने कहा कि सीमांत क्षेत्र चमोली का विकास केंद्र एवं राज्य सरकार की प्राथमिकता है। हमारे राज्य एवं देश का विकास सीमांत क्षेत्रों के विकास से ही संभव है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में राज्य सरकार समाज के अंतिम छोर में खड़े व्यक्ति तक हर योजना का लाभ पहुंचाने का प्रयास कर रही है। राज्य सरकार योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाने के लिए दिन-रात काम कर रही है। प्रधानमंत्री के नेतृत्व में आज भारत हर क्षेत्र में आगे बढ़ रहा है। केंद्र सरकार द्वारा स्वास्थ्य, शिक्षा, निःशुल्क खाद्यान्न, निःशुल्क इलाज, किसानों के विकास, गरीबों को आवास, सेना के आधुनिकीकरण, सीमाओं की सुरक्षा, प्रत्येक नागरिक को वैक्सीन पहुंचाने से लेकर हथियार और मोबाइल उत्पादन तक हर क्षेत्र में अभूतपूर्व कार्य किये हैं। प्रधानमंत्री के नेतृत्व वाली सरकार ने 80 करोड़ लोगों को खाद्य सुरक्षा प्रदान करने जैसा ऐतिहासिक कार्य किया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार समाज के सभी वर्गों के हित में लगातार कार्य कर रही हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में हम उत्तराखंड के अंतिम छोर पर खड़े व्यक्ति को विकास की मुख्यधारा से जोड़ने के लिए दिनरात प्रयासरत हैं। केंद्र और राज्य सरकार की विभिन्न जन कल्याणकारी योजनाओं के माध्यम से हमारे नागरिक अनेक तरह से लाभान्वित हुए हैं और पिछले 10 वर्षों में देश का ऐसा कोई भी नागरिक ऐसा नही होगा जो किसी न किसी योजना से लाभान्वित न हुआ हो। मुख्यमंत्री ने कहा कि आज सरकार द्वारा केवल फैसले ही नहीं लिए जा रहे है, बल्कि सभी योजनाओं को धरातल पर भी उतारा जा रहा है। सरकार द्वारा जिन योजनाओं का शिलान्यास किया जा रहा है समयावधि के भीतर उन योजनाओं को पूर्ण कर लोकार्पण भी किया जा रहा है। गढ़वाल सांसद तीरथ सिंह रावत, राज्यसभा सांसद महेन्द्र भट्ट, राज्यमंत्री रेमश गडिया, थराली विधायक भूपाल राम टम्टा, कर्णप्रयाग विधायक अनिल नौटियाल, भाजपा जिला अध्यक्ष रमेश मैखुरी, जिलाधिकारी हिमांशु खुराना, पुलिस अधीक्षक रेखा यादव, मुख्य विकास अधिकारी अभिनव शाह, अपर जिलाधिकारी डॉ. अभिषेक त्रिपाठी, एसडीएम आरके पांडेय आदि सहित बडी संख्या में स्थानीय जनता एवं विभिन्न योजनाओं से आच्छादित लाभार्थी मौजूद रहे।

सीएम ने लाभार्थियों को प्रदान किए चेक और दी घर की चाबी

चमोली : मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने अटल आवास योजना के अंतर्गत निर्मित भवनों के 02 लाभार्थियों को घर की चाबी सौंपी। जिसमें मथुरा लाल और मुकेश लाल शामिल है। प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) के अंतर्गत नीलम देवी को द्वितीय किश्त के तहत 60 हजार का चेक प्रदान किया। प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के अंतर्गत संगीता देवी और गुड्डी देवी को घर की चाबी प्रदान की। मुख्यमंत्री स्वरोजगार योजना के अंतर्गत राजेश्वरी देवी और नरेन्द्र सिंह को 50–50 हजार रुपये का अंशदान धनराशि के चेक प्रदान किए। महिला सशक्तिकरण के तहत मन्दोदरी देवी को महालक्ष्मी किट प्रदान किया। उल्लेखनीय कार्य के लिए युवक मंगल दल बूरा को 75 हजार और महिला मंगल दल आला जोखना 37 हजार 500 की प्रोत्साहन राशि के चेक प्रदान किए। देवभूमि मत्स्य जीवी सहकारिता समिति को 20 लाख का चेक प्रदान किया।

सीएम चमोली के विकास के लिए यह घोषणाएं की

चमोली : मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने जनपद के विकास के लिए कई घोषणाएं भी की जिसमें हापला-धोतीधार मोटर मार्ग निर्माण कार्य को शीघ्र पूरा किए जाने, दशोली ब्लाक में गोपेश्वर मंदिर मार्ग से बैतरणी-सिरखोमा-सेंटुणा-बैरागणा मोटर मार्ग के किलोमीटर एक से लेकर सेटुणा तक मोटर मार्ग का निर्माण हेतु शासकीय एवं वित्तीय स्वीकृति प्रदान की जाने, कर्णप्रयाग में लामबगड के अंतर्गत गंगानगर माई मंदिर से भैरव तोक तक रामगंगा नदी पर झूला पुल का निर्माण किए जाने, थराली विधानसभा में चार विकास खंडों में गौ-संरक्षण सेवा की स्थापना किए जाने एवं थराली कुलसारी में सेंटर ऑफ एक्सीलेंस की जनहित में स्वीकृति दी जाने की घोषणा शामिल है।

उत्तराखण्ड में चल रही विकास की लहर : भट्ट

चमोली : राज्यसभा सांसद महेन्द्र भट्ट ने कहा कि प्रदेश में विकास की लहर चल रही है और प्रदेश विकास के पथ पर अग्रसर हो रहा है। देश के प्रधानमंत्री का देवभूमि उत्तराखण्ड के लिए अनेक विकास कार्यों का जो संकल्प लिया है, वो धरातल पर उतरने लगे है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के अथक प्रयासों से ही कोविड काल जैसी विकट परिस्थितियों से निपटने में सक्षम हुए और न केवल भारत की जनता को टीकाकरण और राशन उपलब्ध करवाया बल्कि विदेश तक भी कोविड वैक्सीन पहुंचाई। उन्होंने कहा कि देश के प्रधानमंत्री और उत्तराखंड में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने आज देवभूमि के हर घर में बिजली, पानी, खाद्यान्न, गैस चूल्हा और नेटवर्क पहुंचाने काम किया है। उन्होंने कहा कि देश और प्रदेश के विकास के लिए जो भी आवश्यक होगा उसके लिए हमारी सरकार प्रयासरत रहेगी।

119 रनों से जीती व्यापार मंडल कोटी की टीम

नई टिहरी।कोटी कालोनी मैदान में इन दिनों चल रहे क्रिकेट टूर्नामेंट में बुधवार को व्यापार मंडल कोटी और कोटी ब्लास्टर के बीच मैच खेला गया। टॉस जीतकर कोटी ब्लास्टर ने पहले फील्डिंग करने का फैसला किया। व्यापार मंडल की ओर से बैटिंग करते हुए शिवा चौधरी ने 77 रन बनाये। जबकि मनोज ने 24 रन बनाये। व्यापार मंडल कोटी ने कुल 152 रन बनाये। कोटी ब्लास्टर की ओर से रितिक ने एक विकेट लिया। बल्लेबाजी करने उतरी टीम 33 रन पर आल आउट हो गई। इस तरह से व्यापार मंडल की टीम ने 119 रनों से जीत दर्ज की। मनोज ने 4 विकेट ओर कुलदीप पंवार ने चार विकेट लिए।

जयन्त
संस्थापक
स्व.नरेन्द्र उनियाल
प्रकाशक,मुद्रक और स्वामी
नागेन्द्र उनियाल द्वारा प्रतिभा प्रेस से मुद्रित तथा बद्रीनाथ मार्ग कोटद्वार (गढ़वाल) से प्रकाशित
–सम्पादक
नागेन्द्र उनियाल
आर.एन.आई. 35469/79
फोन/फैक्स 01382–222383
मो. 8445596074, 9412081969
e-mail:
nagendra.uniyal@gmail.com